RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः328, मंगलवार, 13 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

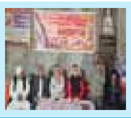

पंच मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार हेतु सनातन संस्कृति प्रेमियों ने की बैठक 03

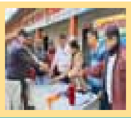

जन प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेला में शिक्षकों ने दिखाया नवाचार, तीन संकुल रहे अव्वल... 04

नायरा बनर्जी ने बताया, कैसे एक वीडियो कॉल ने बदल दी उनकी... 07

इसरो का रॉकेट रास्ते से भटका, मिशन फेल

आई गड़बड़ी,अर्बिट में नहीं तैनात हो पाया अन्वेषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) का साल 2026 का पहला मिशन पीएसएलवी-सी 62 फेल हो गया है। रॉकेट 12 जनवरी को सुबह 10.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 16 सैटेलाइट लेकर उड़ा था।
इसरो चीफ डॉ. वी नारायणन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चिंग के तीसरे चरण में गड़बड़ी आ गई, जिसके कारण वह रास्ता भटक गया। पिछले साल 18 मई को भी इसरो का पीएसएलवी-सी 61 मिशन तकनीकी खराबी के कारण तीसरी स्टेज में ही फेल हुआ था।
इस मिशन में ईओएस-09 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट को 524 किमी की सन-सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था। श्रीहरिकोटा से सुबह 10.18 बजे की स्मूथ लॉन्च हुई। इसके बाद ये घटनाएं घटी। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने फ्लाइट के बाद एक अपडेट में बताया, मिशन में एक टेक्निकल गड़बड़ी हुई है। शुरुआती फ्लाइट स्टेज तो ठीक थे, लेकिन तीसरे स्टेज में चैंबर प्रेशर में अचानक गिरावट के कारण जरूरी थ्रस्ट नहीं मिल पाया।
हमने तय फ्लाइट पाथ से काफी बड़ा भटकाव देखा है। इसके चलते सैटेलाइट्स को ऑर्बिट में नहीं पहुंचाया जा सका।
फेलियर एनालिसिस कमेटी अब सभी टेलीमेट्री डेटा की जांच करेगी और मूल कारण का पता लगाने के लिए इसी तरह के

लोड की स्थितियों में फ्लेक्स नोजल की भी जांच करेगी। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा, मुख्य पेलोड, इसरो का स्ट्रेटेजिक सर्विलांस सैटेलाइट अन्वेषा, और 15 दूसरे सैटेलाइट्स के अब खो जाने का डर है, जो तीसरे स्टेज के लिए लगातार दूसरी नाकामी है। टेलीमेट्री स्क्रीन पर रास्ते से भटकने का सिग्नल मिलने लगा। स्मूथ लॉन्चिंग के बाद पीएसएलवी-सी 61 भी तीसरे स्टेज पर आकर अपने रास्ते से भटक गया था।
इसरो के बयान में तब कहा गया था कि राकेट का तीसरे स्टेज में ऑब्जर्वेशन हुआ। जिसके बाद चैंबर के प्रेशर में लगातार गिरावट आई, इस गिरावट की वजह से थ्रस्ट कम हुआ और सैटेलाइट अपने ऑर्बिट में नहीं पहुंच पाई। इसरो का यह मिशन देश के भविष्य के लिए बेहद खास था। लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों से आई दिक्कतों के कारण अबकी यह कामयाब नहीं हो पाया। इसरो चीफ ने इस बात को लेकर अफसोस जताते हुए आगे कामयाबी की उम्मीद की है।

दुश्मन के टैंकों को ऊपर से निशाना बनाकर कर देगी ढेर

- डीआरडीओ की यह मिसाइल बड़े काम की,टेस्ट रहा सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल चलते हुए दुश्मन के टैंकों को ऊपर से निशाना बनाकर मार गिराने में सक्षम है। इस मिसाइल को कंधे पर रखकर चलाया जा सकता है। यह खास तौर पर टैंकों के ऊपरी हिस्से को भेदने के लिए डिजाइन की गई है, जो अक्सर सबसे कमजोर होता है। इस तरह यह दुश्मन के टैंकों के लिए

एक बड़ा खतरा बन गई है। यह परीक्षण डीआरडीओ की क्षमता को दर्शाता है। यह भारत की रक्षा तैयारियों को और मजबूत करेगा। डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी ने रविवार को महाराष्ट्र के अहिल्या नगर में केके रेंज में एक चलते-फिरते लक्ष्य पर तीसरी पीढ़ी की मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलका सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल खास तौर पर ऊपर से हमला करने की क्षमता रखती है और इसे स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। यह मिसाइल कई आधुनिक तकनीकों से लैस है।

फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी की मुसीबत बढ़ी

- ईडी परिसर को कर सकती है कुर्क,प्रोसीड्स ऑफ क्राइम से पैसे जुटाने का शक

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े मामले में फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय यूनिवर्सिटी परिसर को मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत कुर्क करने की तैयारी कर रहा है। इसी यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ. उमर नबी ने सुसाइड बॉम्बर

बनकर दिल्ली के लाल इलाके के बाहर ब्लास्ट को अंजाम दिया था, जिसमें 15 लोगों की मौत हुई थी। इस आतंकी हमले के बाद जांच एजेंसियों ने यूनिवर्सिटी को आतंकी मॉड्यूल का केंद्र मानते हुए जांच तेज कर दी है। दिल्ली ब्लास्ट और आतंकी मॉड्यूल केस में नेशनल जांच एजेंसी ने दो अन्य डॉक्टरों शाहीन सईद और डॉ. मुजम्मिल को गिरफ्तार किया। डॉ. मुजम्मिल पर ब्लास्ट के लिए विस्फोटक एकत्रित करने और डॉ. शाहीन सईद पर आर्थिक रूप से मदद करने का आरोप है।

ब्रिक्स के 'वॉरगेम्स' में नहीं फंसना चाहता भारत!

संयुक्त अभ्यास से खुद को अलग कर दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई वाले ब्रिक्स ब्लॉक के कई सदस्यों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के तट के पास जॉइंट नेवल ड्रिल शुरू किया है। इस अभ्यास का नेतृत्व चीन कर रहा है और रूस, ईरान और यूएई जैसे देश भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। जहां एक तरफ दक्षिण अफ्रीका ने इन अभ्यासों को दुनिया भर में बढ़ते समुद्री तनाव के लिए एक जरूरी जवाब बताया है, वहीं दूसरी तरफ भारत ने खुद को इस अभ्यास से अलग कर लिया है। इसके पीछे विशेषज्ञों ने कई वजहें बताई हैं। वहीं लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील भी इसमें हिस्सा नहीं ले रहा है। यह इसीलिए अहम है क्योंकि ये दोनों ही देश ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य रह चुके हैं। बता दें कि यह ड्रिल शनिवार को शुरू हुई है। एक

हफ्ते तक चलने वाले विल फॉर पीस 2026 अभ्यास का आयोजन साइमन टाउन में किया जा रहा है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि इनमें बचाव के तरीकों की बात होगी।

ब्रिक्स महज एक आर्थिक समूह

हर्ष पंत के मुताबिक ब्रिक्स कोई सैन्य गठबंधन नहीं है, बल्कि यह विकासशील देशों का ऐसा समूह है, जो आर्थिक सहयोग और व्यापार पर केंद्रित है और पश्चिमी देशों पर निर्भरता कम करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि चीन, रूस, ईरान और कुछ हद तक दक्षिण अफ्रीका के लिए ऐसे सैन्य अभ्यास अमेरिका के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत दिखाने का एक जरिया हैं, लेकिन भारत इस तरह के 'वॉरगेम्स' से खुद को जोड़ना नहीं चाहता। वहीं भारत माजूदा समय में अमेरिका के साथ अपने संबंध को भी संतुलित करना चाहता है। भारत और अमेरिका के रिश्तों में बीते कुछ समय से तनाव नजर आया है।

अमेरिका के लिए भारत से जरूरी कोई देश नहीं

- राजदूत बोले-आज ट्रेड डील पर हो सकती है बात

गोर ने कहा- अगले साल भारत आ सकते हैं ट्रम्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नई दिल्ली में पदभार संभाला। उन्होंने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी कोई देश नहीं है। उन्होंने ट्रेड डील को लेकर कहा कि कल यानी मंगलवार को दोनों देशों के अधिकारियों के बीच इसे लेकर फोन पर बात होने वाली है। अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी की दोस्ती को असली बताया। उन्होंने कहा कि सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में हमेशा अपने मतभेदों को सुलझा लेते हैं। गोर ने उम्मीद जताई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अगले एक से दो साल में भारत का दौरा कर सकते हैं।

- **गोर बोले-भारत बड़ा देश, ट्रेड डील आसान नहीं-** अमेरिकी राजदूत ने कहा कि कई लोग उनसे ट्रेड डील पर अपडेट पूछ रहे थे। उन्होंने साफ किया कि दोनों पक्ष लगातार संपर्क में हैं और बातचीत आगे बढ़ रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है, इसलिए यह प्रक्रिया आसान नहीं है, लेकिन दोनों देश इसे पूरा करने के लिए कोशिश कर रहे हैं।

सीईसी, चुनाव आयुक्तों को 'लाइफटाइम इम्यूनिटी'!

- सीजेआई बोले-जांच करेंगे,केन्द्र-ईसी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया और सेवा शर्तों को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। याचिका में सीईसी और चुनाव आयुक्तों को मुकदमे से आजीवन छूट के प्रावधान को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर कहा है कि वह इस मामले की जांच करना चाहेगा। यही नहीं, इस याचिका में सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हम इसकी जांच करना चाहेंगे। हम नोटिस जारी कर रहे हैं। नोटिस के जरिए केंद्र और चुनाव आयोग से उनका पक्ष मांगा गया है।

एक युग का अंत

14 के बाद साउथ ब्लॉक खाली करेगा पीएमओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑफिस का पता बहुत जल्द बदलने वाला है। नए ऑफिस का काम लगभग पूरा हो चुका है, अब उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। उम्मीद है कि इसी महीने शिफ्ट हो सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री कार्यालय,कैबिनेट सचिवालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को सेवा तीर्थ परिसर विजय चौक के नजदीक रायसीना हिल के नीचे बनाया गया है। इसमें तीन हाई टेक इमारतें हैं, जिन्हें सेवा तीर्थ 1, सेवा तीर्थ 2 और सेवा तीर्थ 3 का नाम दिया गया है। सेवा तीर्थ 1 में प्रधानमंत्री कार्यालय, सेवा तीर्थ 2 में कैबिनेट सचिवालय पहले ही शिफ्ट हो चुका है। वहीं, सेवा तीर्थ 3 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय होगा जहां राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल बैठेंगे। इसे सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत बनाया गया है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत नया संसद भवन और उपराष्ट्रपति एनक्लेव पहले ही तैयार हो चुका है। इसके अलावा इस प्रोजेक्ट के तहत मंत्रालयों के लिए आठ नए कर्तव्य भवन बनने हैं जिनमें से तीन तैयार हो चुके हैं और कई मंत्रालय उनमें शिफ्ट भी हो चुके हैं।

यूपी-बिहार वाले महाराष्ट्र में हिंदी न थोपें, वरना लात मारूंगा

राज ठाकरे बोले-मुंबई गुजरात को नहीं मिला,इससे कुछ ताकतें अब भी नाराज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे ने रविवार को आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर दादर स्थित शिवतीर्थ मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मराठी एकता का आह्वान किया और कहा कि राज्य की भाषा, जमीन और पहचान पर खतरा है। राज ठाकरे ने कहा- उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को महाराष्ट्र में हिंदी थोपने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। मुझे किसी भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन अगर इसे थोपने की कोशिश करोगे तो मैं आपको लात मारूंगा। एमएनएस प्रमुख ने कहा- कुछ ताकतें अभी भी इस बात से नाराज हैं कि मुंबई, गुजरात के बजाय महाराष्ट्र को मिल गया। वे अब अडाणी ग्रुप के जरिए मुंबई और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन पर कंट्रोल हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली आए अभिनेता विजय थलपति

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई के सामने हुए पेश

चेन्नई/नई दिल्ली (एजेंसी)। टीवीके प्रमुख एक्टर विजय सोमवार को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई के समक्ष पूछताछ के लिए पेश हुए। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख एवं अभिनेता विजय करूर भगदड़ मामले के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पूछताछ के लिए सोमवार को पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टीवीके चीफ की सीबीआई के सामने पेशी ऐसे वक्त पर हुई है जब तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के लिए सरगर्मी तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई ने एक्टर विजय से पूछा कि वह भगदड़ की बड़ी घटना के बाद घटनास्थल छोड़कर से क्यों चले गए। इतना ही नहीं वह देरी से कार्यक्रम में क्यों पहुंचे। सीबीआई सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर करूर भगदड़ की जांच कर रही है। तमिल अभिनेता सोमवार सुबह ही तमिलनाडु से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। वह विशेष विमान से पहले दिल्ली और फिर सीबीआई मुख्यालय पहुंचे।

हिमाचल के सोलन में भीषण आग, बच्चा जिंदा जला

- 10 लापता, क्षत-विक्षत हालत में मिल रहे शरीर, 8 मकान राख

अर्की (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के अर्की बाजार में रविवार आधी रात भीषण आग भड़की। इस हादसे में आठ साल के एक बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई। एसएसपी निशांत तोमर ने बताया कि कुछ के क्षत-विक्षत हालत में शरीर के अंग जैसे हाथ-टांगे इत्यादि मिल रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि 10 के करीब लोगों के लापता होने की सूचना है। इनमें 5 महिलाएं व बच्चे भी शामिल है। प्रशासन ने लापता लोगों की तलाश में सुबह से ही सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन चला रखा है। घटनास्थल पर जेसीबी से मलबा निकाला जा रहा है। एनडीआरएफ, पुलिस और होमगार्ड जवान राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं।

चीन की कमी भारत से पूरी करेगा जर्मनी

बड़ी-बड़ी कंपनियों के अधिकारियों के साथ आए हैं चांसलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ट्ज भारत की दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के साथ जर्मनी के संबंधों को और मजबूत करना है। दोनों देश अमेरिका और चीन जैसे देशों से आर्थिक और भू-राजनीतिक दबाव का सामना कर रहे हैं। भारत और जर्मनी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रेडरिक मर्ट्ज की मौजूदगी में कई समझौता ज्ञापनों पर साइन किए। इससे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को एक नई ऊर्जा मिली है। एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर के पार चला गया है, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है। मर्ट्ज के साथ भारत एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें सीमेंस और एयरबस जैसी कंपनियों के अधिकारी शामिल हैं। यह यात्रा मर्ट्ज के मई में

चांसलर बनने के बाद एशिया की पहली यात्रा है। यह यात्रा यूरोपीय संघ और भारत के बीच होने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक से ठीक दो हफ्ते पहले हो रही है। दोनों पक्ष एक लंबे समय से अटके हुए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश की।

भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां

पीएम मोदी ने कहा कि भारत में दो हजार से ज्यादा जर्मन कंपनियों की लंबे समय से मौजूदगी है। यह भारत पर उनके अटूट विश्वास और यहां मौजूद अपार अवसरों को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग सालों से लगातार बढ़ा है और अब यह संयुक्त परियोजनाओं और निवेशों के जरिए जमीनी हकीकत बनता दिख रहा है। फ्रेंडरिक मर्ट्ज ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा समझौता भारत-जर्मनी के आर्थिक संबंधों की पूरी क्षमता को उजागर करने में मदद करेगा। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार को और आसान बनाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा जर्मन कंपनियां भारत में निवेश कर सकेंगी और भारतीय कंपनियां भी व्यापार का विस्तार करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

रक्तदान कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया प्रियंका गांधी का जन्मदिन

पटना। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी का जन्मदिन कांग्रेसियों ने रक्तदान कर मनाया। अदिति कम्युनिटी सेंटर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रियंका गांधी समर्थकों ने केक काटा तथा एक दूसरे को मिठाई खिलायी। इस मौके पर सौ से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रेमचंद सिंह और प्रवीण कुशवाहा ने कहा कि प्रियंका गांधी महिला ,दबे कुचले, शोषितों व वंचितों की सशक्त आवाज हैं, देश की आधी आबादी के हक की लड़ाई मजबूती के साथ लड़ रही हैं। जहां भी महिलाओं, गरीबों व आमजन के साथ अन्याय हुआ है उसे मजबूती के साथ उठाकर संघर्ष किया है।आज हम सब उनके जन्मदिन पर रक्तदान कर रहे हैं। मौके पर प्रेमचंद सिंह,प्रवीण कुशवाहा ,राजू दानवीर रणजीत कुमार यादव,राजीव मिश्रा ,आलोक सिन्हा,अमरनाथ ,मुन्ना कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन

पटना। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल में युवाओं एवं छात्रों को प्रेरित करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों—चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और सेवा—को जन-जन तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद जयंती के शुभ अवसर पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ की गई। वक्ताओं ने उनके प्रेरणादायी विचारों जैसे उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएद्ब पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के युवा यदि इन विचारों को अपनाएँ, तो एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण संभव है।इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा भाषण, विचार प्रस्तुति एवं प्रेरक संदेशों का वाचन किया गया। कार्यक्रम में प्रेम, दिव्यांशु एवं आयुष,मयंक एवं अंशु, नीतू, अल्का, श्रेया एवं शिवम, तथा श्रेयांश ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए।वक्ताओं ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन अनुशासन, साहस और मानव सेवा का प्रतीक है, जो आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए युवाओं से शिक्षा, संस्कार और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जदयू के कई साथियों का विधान पार्षद ने कराया सदस्यता नवीनीकरण

पटना। सोमवार को जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकडों साथियों ने जदयू की सदस्यता का नवीनीकरण कराया। इस अवसर पर संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य का सर्वांगीण विकास हो रहा है। उनके हाथों को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकतार्ओं को पूरी एकजुटता के साथ कार्य करना है तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों का गाँव-गाँव तक व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। साथ ही उन्होंने सदस्यता अभियान के तहत पार्टी द्वारा निर्धारित एक करोड़ से अधिक सदस्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में पूरी जोरशोर से जुटने का भी आह्वान किया। इस मौके पर मुख्य रूप से मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार, मुख्यालय प्रभारी वासुदेव कुशवाहा, प्रदेश महासचिव अरविन्द सिंह उर्फ छोटू सिंह, वीरेंद्र सिंह दाँगी, कमल नोपानी उपस्थित रहे एवं गुड्डी देवी, मुकेश शर्मा सहित सैकडों लोगों ने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराया।

सोमवार और शुक्रवार को नियमित रूप से सुनी जाएंगी विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतें

पटना। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान के अंतर्गत बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निष्पादन को लेकर ऊर्जा विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह ने सोमवार को सभी आपूर्ति अंचल कार्यालयों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनें और उनका समाधान करें। इस बैठक में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेंद्र कुमार, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। उनके निदेर्शानुसार, सभी अंचल कार्यालय में सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक और शुक्रवार को दोपहर 3:00 बजे से 4:30 बजे तक बिजली उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनने का निर्देश दिया। यह व्यवस्था 19 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं से सम्मानपूर्वक मुलाकात कर उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता से सुनते हुए त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी कार्यालयों में उपभोक्ताओं के लिए बैठने की उचित व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, शौचालय आदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से प्राप्त सभी शिकायतों का पंजीकरण कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपभोक्ताओं की बिजली से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए बिहार सरकार ने पहल की है। इसके तहत गुरुवार की जगह अब प्रत्येक शुक्रवार को विद्युत भवन, पटना में ओपन हाउस मीटिंग का आयोजन किया जाएगा। ओपन हाउस मीटिंग का समय दोपहर 3:00 बजे से 4:30 बजे तक रहेगा। ओपन हाउस मीटिंग में ऊर्जा विभाग के सचिव, दोनों डिस्कॉम कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। ऊर्जा सचिव ने कहा कि इस पहल के तहत औद्योगिक उपभोक्ताओं और निवेशकों की समस्याओं को त्वरित और सम्मानजनक तरीके से सुलझाया जाएगा।

बिहार सबजूनियर ताइक्वांडो टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

पटना। आगामी 13 से 15 जनवरी तक नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली 39वीं राष्ट्रीय सबजूनियर क्योरूगी एवं 14वीं सबजूनियर पूमसे ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए बिहार टीम रवाना हो गई है। यह जानकारी बिहार ताइक्वांडो संघ के संयुक्त सचिव समता राही ने दी। टीम को बिहार ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष शशिवाला बदानी, महासचिव राजेश कुमार, उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, अरुण कुमार, संयुक्त सचिव नंदू कुमार, कोषाध्यक्ष मनीष चंद्र राय, कार्यकारिणी सदस्य कमल कुमार पटेल, धर्मेंद्र कुमार, विश्वजीत कुमार समेत बिहार ताइक्वांडो संघ के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।सब-जूनियर बालक टीम में मयंक कुमार (अंडर 18 किग्रा), सत्यम कुमार (अंडर 21 किग्रा), आदित्य राज (अंडर 23 किग्रा), रौशन कुमार (अंडर 25 किग्रा), आदित्य राज (अंडर 27 किग्रा), अमित कुमार (अंडर 29 किग्रा), प्रीत गंधार्या (अंडर 32 किग्रा), जय कुमार (अंडर 35 किग्रा), रोहन कुमार (अंडर 38 किग्रा), जय पटेल (अंडर 41 किग्रा), अंकित राज (अंडर 44 किग्रा), नीतीश कुमार (अंडर 50 किग्रा), अंशुल आर्या (ओवर 50झ्र60 किग्रा)। सब-जूनियर बालिका में रितिका कुमारी (अंडर 16 किग्रा), राखी कुमारी (अंडर 20 किग्रा), अनन्या (अंडर 22 किग्रा), साक्षी कुमारी (अंडर 24 किग्रा), रिमझिम कुमारी (अंडर 26 किग्रा), संध्या वर्मा (अंडर 29 किग्रा), अनुष्का कुमारी (अंडर 32 किग्रा), सुरुचि कुमारी (अंडर 35 किग्रा), पलक यादव (अंडर 38 किग्रा), महिमा शर्मा (अंडर 41 किग्रा), रिद्धि (अंडर 47 किग्रा), अनामिका कुमारी श्रीवास्तव (ओवर 47झ्र57 किग्रा)।

मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय पुलिस सम्मेलन 2026 का दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरदार पटेल भवन स्थित बिहार पुलिस ऑडिटोरियम में राज्यस्तरीय पुलिस सम्मेलन 2026 का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभकिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो तथा पृथक साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। बिहार में कानून का राज है। मुझे आप सभी पुलिस पदाधिकारियों से उम्मीद है कि आप सब ईमानदारी के साथ पूरी तत्परता एवं कड़ाई से अपराध नियंत्रण के लिये काम करेंगे। कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक (आधुनिकीकरण) सुधांशु कुमार ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष बिहार पुलिस के कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के पूर्व सरदार पटेल भवन स्थित जीविका दीदी की रसोई का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, गृह विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार, पटना के जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक स्तर के पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मकर संक्रांति पर सदाकत आश्रम में कांग्रेस का दही-चूड़ा भोज में कई नेता मौजूद

एजेंसी

पटना। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस पार्टी द्वारा पारंपरिक दही-चूड़ा स्नेह भोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष डॉ संजय यादव की ओर से किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मकर संक्रांति समरसता, भाईचारे और नई ऊर्जा का पर्व है। दही-चूड़ा हमारी लोकसंस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। कांग्रेस पार्टी हमेशा बिहार की सांस्कृतिक परंपराओं को सम्मान देती रही है और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है।राजेश राम ने कहा कि आज के समय में जब समाज को बांटने की कोशिशें हो रही हैं, ऐसे आयोजनों के माध्यम से आपसी सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करना बेहद जरूरी है। कांग्रेस पार्टी न्याय, समानता और भाईचारे के मूल्यों के साथ जनता की आवाज बुलंद करती रहेगी। दही-चूड़ा स्नेह भोज में विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, पूर्व विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, प्रतिमा कुमारी दास, विधान पार्षद राजीव कुमार, कपिलदेव प्रसाद यादव, डा संजय यादव, ब्रजेश प्रसाद मुनन, प्रवीण सिंह कुशवाहा, रौशन कुमार सिंह,असितनाथ तिवारी, कुमार आशीष, शरवत जहां फातिमा, कांग्रेस सेवादल के आशुतोष रंजन एवं सुनील सुमन, कमलदेव नारायण शुक्ला ,शशि कांत तिवारी शामिल थे।

स्वामी विवेकानंद के भाषणों से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी: राज्यपाल

एजेंसी

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विश्व गुरु बनने का स्वामी विवेकानंद जी का सपना हो रहा पूराः सम्राट चौधरी
» स्वामी विवेकानंद की जीवनी से युवा होंगे ताकतवर व ज्ञानवान : प्रो रणबीर नंदन
» बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आध्यात्मिक दिवस के रूप में मनी स्वामी विवेकानंद की जयंती

पटना।बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो में धर्म संसद के आयोजन की परीक्षा में आयोजित कार्यक्रम देश को एक अलग पहचान दिया था इसी कार्यक्रम के बाद स्वामी जी घर-घर तक पहुंच गए थे स्वामी जी ने दुनिया की सबसे प्राचीनतम परंपरा की ओर से शिकागो में धन्यवाद दिया था। स्वामी जी के भाषणों से देश के युवा वर्ग को प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान सोमवार को बिहार राज्य धार्मिक पर्षद की ओर से स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित आध्यात्मिक दिवस कार्यक्रम में बतौर उद्घाटनकर्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा में दुनिया को सहनशीलता के साथ सार्वभौमिकता भी सिखाया है हम सभी मान्यताओं में विश्वास करते हैं। भारत उन लोगों की शरणस्थली है जो कहीं न कहीं से उत्पीड़न से शिकार होकर हमसे शरण मांगने आते हैं। चाहे यहूदी हों या पारसी या कोई अन्य धर्म के लोग हो हमने सबका सत्कार किया है। उन्होंने कहा स्वामी जी जीवन के उद्देश्य के बारे में रहते थे की जीवन का उद्देश्य है ज्ञान की प्राप्ति और ज्ञान का उद्देश्य है अपने अंदर उसे योग्यता को विकसित करना जो विविधता के पीछे एकता और सर्वजनिकता का भेद बताता हो स्वामी जी के लिए कोई विदेशी नहीं था वह सबको अपना मानते थे। इस मौके पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सम्राट चौधरी ने कहा की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद के उसे सपने को साकार कर रहे हैं जिसमें उन्होंने भारत को विश्व गुरु होने की बात कही थी। इस मौके पर सम्राट चौधरी ने कहा की बिहार देश में सबसे युवा प्रदेश है यहां के 50% आबादी 45 वर्ष से कम उम्र के छात्र-छात्राओं की है। इस देश का इतिहास हमारा है और हमने ही मगध की स्थापना की है। उन्होंने कहा की जब हम पहली बार सदन में आए थे तो मात्र 6000 करोड़ का बजट है और आज हमारा बजट 24 25 में 317000 करोड़ का है जो झारखंड के बजट से भी ज्यादा है। अगले 5 साल में हम लोग एक करोड़ युवा को रोजगार देंगे जिसके लिए नया युवा कौशल मंत्रालय कम कर रहा है हम बिहार से पलायन करने वाले मजदूरों को स्किल्ड बनाकर बिहार में रोजगार दिलाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिहार राज्य धार्मिक पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणवीर नंदन ने कहा कि स्वामी विवेकानंद देश के उन हस्तियों में शामिल थे जिन्होंने भारतीय दर्शन को विश्व स्तर पर स्थापित किया था और आज भारत दुनिया के बड़े देशों में शामिल होकर ज्ञान की डंका बज रहा है स्वामी विवेकानंद की जीवनी पढ़कर हमारे युवा ताकतवर एवं ज्ञानवान होंगे किसी को देखते हुए स्वामी विवेकानंद की जयंती को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद आध्यात्मिक दिवस के रूप में मना रहा है । इस मौके पर बिहार के विभिन्न स्कूलों के नौवीं कक्षा से ऊपर पढ़ने वालेछात्र-छात्राओं के लिए स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो में दिए गए भाषण प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर उनके अंदर ज्ञान का संचार कर रहा है। इस मौके पर कार्यक्रम में स्वागत भाषण धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य एवं कार्यक्रम के संयोजक सायन कुणाल ने किया। स्मोक पर राज्यपाल एवं उपमुख्यमंत्री के द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्रथम ज्ञान निकेतन गर्ल्स स्कूल की सुरभि कुमारी को प्रथम, ज्ञान निकेतन बॉयज के आदित्य राज को द्वितीय तथा नॉलेज ग्राम की सुप्रिया कुमारी को तृतीय स्थान पर चयनित होने पर क्रमशः 25 हजार,15 हजार एवं दस हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया। साथ ही ही दस प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप एक एक हजार का पुरस्कार दिया गया।कार्यक्रम में धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य पूर्व विधायक हरीभूषण ठाकुर बचोल, चंदन कुमार सिंह, दयानंद कुमार हेमराज राम एवं राम बहादुर सिंह मौजूद थे।

नालायक पुत्र के कलयुगी पिता साबित हुए लालू : प्रभाकर मिश्र

एजेंसी

» लालू न अच्छे राजनेता साबित हुए, न ही अच्छे पिता
» लालू को अपने परिवार के साथ भुगतना पड़ेगा करनी पर

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर तंज कसते हुए कहा कि लालू प्रसाद नालायक पुत्रों के कलयुगी पिता हैं। उनके पुत्र किसी काबिल नहीं हैं। बहुरुपिए पुत्र को तो लालू ने पहले ही पार्टी और परिवार से बाहर निकाल दिया, दूसरे पुत्र की शिक्षा और समझदारी जग जाहिर है। नौंवी फेल से ज्यादा समझदारी की अपेक्षा की भी नहीं जा सकती। उनकी समझदारी फिश पार्टी और चिकन बिरयानी का लुत्फ उठाने तक ही सीमित है। श्री मिश्र ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि लालू प्रसाद के पुत्र तो नालायक हैं ये सभी जानते हैं , लेकिन लालू भी अपने आचार, विचार और व्यवहार से साबित कर चुके हैं कि वे न अच्छे राजनेता बने और न ही अच्छे पिता साबित हुए। एक राजनेता के रूप में बिहार को बदहाली के गर्त में धकेला , बिहार में जंगल राज कायम किया। पिता के रूप में अपना दायित्व सही तरीके से नहीं निभाया। लालू कलयुगी पिता साबित हुए। अपने बच्चों को भ्रष्टाचार का संस्कार दिया और अपने जीते बच्चों को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेल कर उनका जीवन तबाह कर दिया। श्री मिश्र ने कहा कि कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार पर आरोप तय कर दिया है। अब लालू परिवार को जेल जाना तय है। लालू और उनके परिवार को करनी का फल तो भुगतना ही होगा।

मगध महिला कॉलेज का वार्षिक खेल कूद समारोह संपन्न

एजेंसी

पटना।मगध महिला कॉलेज के प्रांगण में सोमवार को वार्षिक खेल-कूद दिवस का भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आगमन एवं स्वागत-सम्मान के साथ हुआ क कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर नागेंद्र प्रसाद वर्मा ने पुष्प गुच्छ ,शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेट कर मुख्य अतिथि खेल मंत्री श्रेयसी सिंह एवं पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नमिता सिंह का सम्मान किया। कार्यक्रम का उद्घाटन गुब्बारा उड़ाकर किया गया। तत्पश्चात खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, पटना विवि के कुलपति प्रो नमिता सिंह ने खेल परिसर का निरीक्षण किया एवं ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के क्षण ने संपूर्ण परिसर को राष्ट्रभाव और गौरव से अभिभूत कर दिया।इसके बाद प्रतिभागियों द्वारा मार्च-पास्ट किया गया, जिसने अनुशासन और एकता का संदेश दिया।कार्यक्रम के क्रम में खेल मशाल का प्रज्जवलन किया गया,जो खेल भावना, ऊर्जा और निरंतर साधना का प्रतीक रहा। इसके पश्चात सभी प्रतिभागियों ने शपथ ग्रहण कर खेल को निष्पक्षता, ईमानदारी और अनुशासन के साथ खेलने का संकल्प लिया। अपने स्वागत वक्तव्य में कॉलेज के प्राचार्य ने खेलकूद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि खेलन केवल हमारा शारीरिक संवर्धन करता है अपितु हमें अनुशासित , संयमित और विपरीत परिस्थितियों में अडिग रहने कीकला भी सिखाता है। उन्होंने श्रेयसी सिंह की उपलब्धियों की चर्चा की और हमारा आमंत्रण सहर्ष स्वीकार करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि लड़कियों को हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। लड़कियों के लिए इस समाज में विरोध हमेशा से ही रहते हैं लेकिन लड़का और लड़की के अंतर को समाप्त करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हमें अपने ऊपर गर्व करना सीखना होगा तभी, हम भारत ही नहीं अंतरराष्ट्रीय जगत में भी ख्याति उपलब्ध कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि खेल का मैदान हमें सिखाता है कि यदि आप हारे भी तो अगले दिन आप जीत की तैयारी कर सकते हैं। हारने के बाद भी जीत की जरूरत और जीतने का तरीका खेल का मैदान सिखाता है। कुलपति , पटना विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में कहा कि मगध महिला कॉलेज के अनुशासन, एकता और अखंडता को देखकर मुझे प्रसन्नता होती है कि यह कॉलेज हमारे विश्वविद्यालय का एक अंग है ' खेल की भावना हमें अनुशासन सिखाती है और इससे एक स्वस्थ मन का निर्माण होता है।

पार्षद योजना 4.0 पास, हर वार्ड पार्षद को मिलेंगे 1करोड़

एजेंसी

» सशक्त स्थाई समिति की बैठक में 167 एजेंडों पर लगी मुहर
» मैनहोल की समस्या को लेकर बनेगी कमेटी

पटना।पटना नगर निगम में सोमवार को सशक्त स्थायी समिति की 19वीं साधारण बैठक हुई। इस बैठक में 167 एजेंडों पर मुहर लगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में पार्षद योजना 4.0 की राशि आवंटित की जाएगी। इसे पास कर दिया गया है। इस योजना के तहत हर वार्ड पार्षद को 1 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। साथ ही स्ट्रीट लाइट में जो समस्या है, उसे दूर किया जाएगा। मैनहोल की समस्या के लिए कमेटी बनाई जाएगी। इस संबंध में नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को कैसे बेहतर किया जा सके, इसे लेकर पार्षद और अधिकारियों ने अपनी राय दी। 75 वार्डों में चलने वाले स्कीम को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर भी बात हुई है। 4.0 को एकमत से लागू करने की सहमति मिली ताकि सभी वार्डों में विकास के कार्य को गति दी जा सके। वार्ड संबंधी समस्याएं और अपूर्ण कार्य को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि पटना नगर निगम क्षेत्र मेजर स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याएं हैं, उससे भी अब निजात मिलेगी जहां स्ट्रीट लाइट खराब है या फिर नए स्ट्रीट लाइट अधिष्ठापन करने की जरूरत है। अगले वित्तीय में जहां स्ट्रीट लाइट नहीं है, वहां नए स्थापित किए जाएंगे। टूटे मैनहोल को लेकर एक कमेटी बनाई जाएगी। इसके लिए हर 75 वार्ड का सर्वेक्षण किया जाएगा। आने वाले समय में हम एक अच्छे विकास का मॉडल रखेंगे। पटना नगर निगम की डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी ने मेयर सीता साहू और नगर आयुक्त यशपाल मीणा को वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में पार्षद योजना 4.0 की राशि को आवंटित करवाने को लेकर गुरुवार को पत्र लिखा था। डिप्टी मेयर ने मेयर को पत्र लिखते हुए इस पर प्राथमिकता से ध्यान देने की बात की थी और नगर आयुक्त को अविलंब कार्रवाई का निर्देश दिया था। उनका कहना था कि इस बार वित्तीय वर्ष के 9 महीने बीत जाने के बावजूद भी अभी तक पैसे नहीं मिले हैं, जिसके कारण वार्ड पार्षद अपना काम सही से नहीं कर पा रहे हैं।

नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा को लेकर जनता में उत्साह, जनसंवाद से होगा जनसमस्याओं का समाधान : उमेश

एजेंसी

पटना।जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि आगामी 16 जनवरी से प्रारंभ हो रही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा को लेकर प्रदेश की जनता में खासा उत्साह है। इस यात्रा के तहत मुख्यमंत्री पूरे बिहार का दौरा कर प्रगति यात्रा, सात निश्चय सहित अन्य विकास योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा करेंगे तथा जनता से सीधे संवाद करेंगे।श्री कुशवाहा ने कहा कि जनता के बीच जाकर संवाद करना, उनकी समस्याओं को जानना और उनका समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण करना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा रहा है। यही उनकी अनूठी शैली उन्हें देश के अन्य नेताओं से अलग पहचान दिलाती है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2005 में नीतीश कुमार ने पहली बार न्याय यात्रा के माध्यम से जनता के बीच पहुँचकर उनकी समस्याओं को नजदीक से समझने का कार्य किया था। वर्ष 2005 से 2026 के अंतराल में वे अब तक 15 राज्यव्यापी यात्राएँ कर चुके हैं और 16 जनवरी से अपनी 16वीं यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं। जनसेवा के क्षेत्र में यह एक ऐसा अनूठा कीर्तिमान है, जो देश के किसी अन्य मुख्यमंत्री के नाम दर्ज नहीं हो पाया है।उन्होंने कहा कि गत प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से करीब 430 नई विकास परियोजनाओं की शुरूआत की गई थी, जिनमें से 21 योजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि शेष योजनाओं पर तेज गति से कार्य प्रगति पर है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनसेवा ही नीतीश कुमार की राजनीति का केंद्र बिंदु रहा है। इसी कारण वे सीधे जनता से संवाद स्थापित करते हैं, ताकि आम लोगों की मूलभूत समस्याओं और आवश्यकताओं को गहराई से समझा जा सके और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि समृद्धि यात्रा के क्रम में नीतीश कुमार के द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया जाएगा। यह यात्रा बिहार की विकास यात्रा को नया आयाम देगी और विकसित बिहार के निर्माण की मजबूत नींव साबित होगी।

8 साल के मासूम पर हत्या के प्रयास क़ा आरोप? घोड़ासाहन थाने में दर्ज विवादित प्राथमिकी पर सवाल

सागर सूरज/ विक्की विजेंद्र

मोतिहारीः जिले के घोड़ासाहन थाने में दर्ज एक रोड रेज मामले ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के माननपुर निवासी नीतीशवर कुमार मिश्रा के भतीजे ऋतिक पर ट्रैक्टर चालक ने कथित तौर पर जानलेवा हमला किया, लेकिन आरोपी के रूप में नामित है भोला शाह का सबसे बड़ा पोता—जिसका आधार कार्ड उम्र अधिकतम 8 साल बताता है।

थाने में FIR दर्ज होते ही विवाद छिड़ गया है, क्योंकि ग्रामीणों का कहना है कि घटना स्थल का ट्रैक्टर जांचा भी नहीं गया। घटना का विवरण और प्राथमिकी दर्ज करने मे जल्दबाजी की गयी। घटना के तुरंत बाद भोला शाह के ट्रैक्टर की जाँच की गयी जो सनालिका थी, बिना छज्जे वाली, लेकिन घटना मे स्वराज ट्रैक्टर छज्जे वाली बताई गयी।

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पीड़ित ऋतिक प्राइवेट कंपनी के काम से जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते मे एक ट्रैक्टर चालक ने गलत तरीके से वाहन चलाया, जिस पर कहासुनी हो गई।

इसके बाद चालक ने ट्रैक्टर के रोटावेटर से ऋतिक के दाएं पैर को काटने का प्रयास किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार घोड़ासाहन PHC में होने के बाद मुजफ्फरपुर रेफर हुए, फिर पटना के पारस हॉस्पिटल में 29 दिसंबर को पैर का ऑपरेशन हुआ। अभी भी ऋतिक वहीं भर्ती हैं।

नीतीशवर मिश्रा के आवेदन पर घोड़ासाहन थाने में 26/12/2015 को केस नंबर 444/15 दर्ज किया गया। धाराएं 307 (हत्या का प्रयास), 281/100/118(23)/125(6) लागू हैं। दरोगा छोटेलाल राम को जांच सौंपी गई है।

लेकिन FIR में आरोपी बनाया गया

भोला शाह का 8 साल का पोता, जो खुद ट्रैक्टर चलाने और मारपीट का आरोप झेल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि थाने में सच्चे मामले लटकते रहते हैं, लेकिन माइनर पर इतनी जल्दी गंभीर मुकदमा कैसे दर्ज हो गया?. प्राथमिकी पूर्व पुलिस ने जाँच भी की लेकिन फिर भी गलत प्राथमिकी गलत लोगों पर दर्ज कर दी गयी।

घटना के तुरंत बाद पुलिस भोला शाह के घर पहुंची। वहां लगे सोनालिका ट्रैक्टर को छुआ, लेकिन ग्रामीणों ने बताया कि वह ठंडा था—हाल में चला ही नहीं। ऊपर से ट्रैक्टर स्वराज कंपनी का छज्जा वाला था, जो घटना वाले ट्रैक्टर से अलग था। फिर भी बिना सत्यापन के FIR हो गई।

थाना प्रभारी संजीव कुमार ने माना, "मामले में लगे आरोप सन्देहास्पद हैं। बच्चे की उम्र और ट्रैक्टर का सत्यापन किया जा रहा है।

" लेकिन डीएसपी सीकरहना इस मामले पर मीडिया से बच रहे हैं, इस मामले मे मीडिया के सवाल के जवाब अनुतरित है।

ग्रामीणों में रोष है कि पुलिस ने बिना ट्रैक्टर की जांच, इंजन की गर्मी या चक्का चेक किए मुकदमा ठोंक दिया। "ट्रैक्टर चढ़ाने और रोटावेटर से पैर काटने का आरोप 8 साल के बच्चे पर? क्या पुलिस दुश्मनी में झूठा केस कर रही है?" एक ग्रामीण ने पूछा।

दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष का दावा है कि अभियुक्त बालिग हो सकता है, आधार कार्ड गलत। जांच पूरी होने का इंतजार है, लेकिन पुलिस की जल्दबाजी ने विश्वास पर सेंध लगा दी है।

संक्षिप्त समाचार

'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर एम.एस.कॉलेज में नशा मुक्ति विषयक विशेष संवाद आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई एवं सेहत केंद्र इकाई के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार, 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर "नशा-मुक्ति" विषयक एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सदर अस्पताल, मोतिहारी में कार्यरत क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. नगमा ज़मीर ने नशे के मनोवैज्ञानिक प्रभावों, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति तथा इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डालते कहा कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि मानसिक संतुलन और सामाजिक जीवन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। डॉ. ज़मीर ने इस दौरान यह भी घोषणा की कि मुंशी सिंह कॉलेज से जुड़े शुभम प्रकाश (औद्योगिक सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग) एवं राज रंजन कुमार (मुंशी सिंह लॉ कॉलेज) द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित साइकोमेट्रिक टेस्ट आधारित करियर गाइडेंस के क्षेत्र में एक स्वदेशी स्टार्टअप "स्वास्थ्य माइंड साइकोलॉजिकल सर्विसेज" शुरू किया जा रहा है, जिसका पंजीकरण 14 जनवरी के बाद शीघ्र किया जाएगा। वहीं ड्रग इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने नशीले पदार्थों से संबंधित कानूनी प्रावधानों, इसके दुष्परिणामों तथा युवाओं की जिम्मेदारी पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर समाज में जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन.हक़ ने की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों से सीख लेने की बात कही और युवाओं से नशा-मुक्त स्वस्थ समाज बनाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन मुंशी सिंह महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. गौरव भारती ने किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवनानुभावों और तार्किक चिंतन से प्रेरणा लेकर युवाओं को राष्ट्र हित से जुड़ने की बात कही। स्वागत वक्तव्य सेहत केंद्र इकाई की नोडल पदाधिकारी एवं मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. विदुषी दीक्षित ने दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सेहत केंद्र के जिला नोडल पदाधिकारी एवं राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवाओं के जीवन में आत्मसात करने तथा नशा-मुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में डॉ. ए.के. रंजन, डॉ. शफीकुर रहमान, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. नागेंद्र दास, डॉ. आलोक कुमार पांडेय, डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. अवनीश कुमार मिश्र, डॉ. रूपकथा घोष, डॉ. पूजा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी रही।

स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर मनाया गया युवा दिवस

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर एनसीसी की ए.एन.ओ लेफ्टिनेंट डॉ. कल्पना सिंह के तरफ से 12 एवं 13 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस मनाया जा रहा है, जिसमें खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन के अध्यक्षता में किया गया। इस प्रोग्राम में महाविद्यालय के एनसीसी की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उनका उत्साह देखने लायक था। स्वामी विवेकानंद जयंती युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है और युवाओं की भूमिका किसी भी देश समाज को स्वस्थ्य और सुगठित बनती है। स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस मनाया जाता है जिसमें प्रथम दिन 12 जनवरी को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें रास्साकशी को दो टीमों में रानी लक्ष्मीबाई और रानी दुर्गावती ने भाग लिया। जिसमें से टीम दुर्गावती विजयी हुई जिसमें एनसीसी कैडेट शिल्पी, अंकिता, सलोनी, रोशनी, सोनी, चांदनी और कैडेट शामिल थे। द्वितीय प्रतियोगिता जिसमें तीन टीमों ने भाग लिया। टीम चीता और टीम फायर और टीम राफेल ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजेता टीम चीता है जिसमें कैडेट मुस्कान 'केन्जू , सोनी और शांति ने भाग लिया। रस्सी कूद में 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें प्रथम विजेता शिल्पी, द्वितीय विजेता निशा और तृतीय विजेता मनीषा रही। महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ. कुमारी रौशनी विश्वकर्मा, डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. मनोरमा रानी, डॉ. अल्फिया नूरी, डॉ. अंजली कुमारी इत्यादि उपस्थित थे। वहीं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में भास्कर गुप्ता, नेहाल, अमित, विकास, ज्ञान प्रकाश, प्रकाश कुमार पाण्डेय सहित अन्य शामिल रहे।

स्वर्गीय महावीर प्रसाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब हरसिद्धि के नाम

बीएनएम @ हरसिद्धि। स्वर्गीय महावीर प्रसाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला सोमवार को हरसिद्धि और अरेराज के बीच हरसिद्धि गांधी मैदान में खेला गया। फाइनल मैच में हरसिद्धि टीम के कप्तान सचिन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अरेराज की टीम 17.4 ओवर में 127 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अरेराज की ओर से मुन्ना कुमार ने सर्वाधिक 24 रन बनाए। हरसिद्धि की गेंदबाजी के सामने अरेराज की बल्लेबाजी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए हरसिद्धि की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विक्की कुमार ने 31 गेंदों पर 43 रन की अहम पारी खेली, जबकि कप्तान सचिन ने 22 गेंदों पर 31 रन बनाए और गेंदबाजी में 4 विकेट भी झटके। वही विक्कू ने 16 गेंदों पर 22 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए सचिन सहनी को मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि भाजपा नेता इंजीनियर राकेश गुप्ता रहे। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान, राज कुमार गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, राजद नेता अरुण सिंह, कॉमेंटेटर सुजीत कुमार, किशोर कुमार और स्कोरर नवनीत सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मैच को देखने के लिए गांधी मैदान में बड़ी संख्या में दर्शक जुटे रहे।

मोतिहारी में भूमि सर्वे में रिश्वतखोरीः कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी@विक्की विजेंद्र

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के छौड़ादानो अंचल में भूमि सर्वे के दौरान भ्रष्टाचार का नंगा खेल सामने आया। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (VVB), पटना ने राजस्व कर्मचारी सोनू कुमार को 5,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई निगरानी थाना कांड संख्या 05/26 (9 जनवरी 2026) के तहत भेलवा पंचायत मुखिया मदन साह के निजी कार्यालय में हुई। शिकायत से ट्रैप तक की कार्रवाई परिवादी रामबाबू प्रसाद (पिताः शिवनाथ साह, निवासीः धरहरी, थाना छौड़ादानो) ने VVB में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि सोनू कुमार जमीन परिमार्जन के एवज में रिश्वत मांग रहा था। शिकायत सत्यापित होने पर FIR दर्ज हुई। निगरानी पुलिस उपाधीक्षक विंध्याचल प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम ने ट्रैप बिछाया और सोनू को रिश्वत लेते धर दबोचा। पूछताछ के बाद उसे विशेष निगरानी न्यायालय, मुजफ्फरपुर में पेश किया जाएगा।

2026 में पांचवीं FIR, 67 हजार रिश्वत जब्त-VVB के अनुसार, इस साल भ्रष्टाचार के खिलाफ यह पांचवीं कार्रवाई है। चार मामलों में ट्रैप से चार गिरफ्तारियां, कुल 67,000 रुपये बरामद। जनवरी में ही मुजफ्फरपुर के एक कर्मचारी को 15,000, सीतामढ़ी में 10,000 और चंपारण के पटवारी को 8,000 रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया। ये सभी भूमि सर्वे से जुड़े थे।

ग्रामीण परेशान, व्यवस्था पर सवाल-भूमि सर्वे के बीच लाखों लोग दस्तावेज सुधारने को भटक रहे। पुराने कागजात ठीक करने के नाम पर कर्मी रिश्वत मांग रहे। एक ग्रामीण ने कहा, "सर्वे का ढोंग! अफसर चुप, लूट मची।" सरकार पारदर्शिता का दावा करती है, लेकिन जमीनी हकीकत उलट। निगरानी की कार्रवाई स्वागत योग्य, पर भ्रष्टाचार की जड़ें काटो। बिना सख्ती के सर्वे विफल हो जायेंगे।

पंच मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार हेतु सनातन संस्कृति प्रेमियों ने की बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

150 वर्ष पुराना जिले का धरोहर पंच मंदिर मोतिहारी के जीर्णोद्धार हेतु सनातन संस्कृति प्रेमियों सहित जीर्णोद्धार समिति की बैठक राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में रविवार दोपहर पंच मंदिर परिसर में संपन्न हुई। उक्त बैठक में पंच मंदिर को विश्व स्तरीय मंदिर बनाने का पुरजोर समर्थन के साथ सनातन प्रेमियों धर्म अनुरागी सज्जन वृंदों ने संकल्प लिया। इस बैठक में दिल्ली से चलकर अरेराज निवासी सुविख्यात ज्योतिष कमलापति त्रिपाठी शामिल होकर उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि मन और इंद्रियों से जुड़ा है मंदिर आध्यात्मिक उन्नति सुख समृद्धि पापों से मुक्ति और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने हेतु दान अवश्य करना चाहिए ताकि पंच मंदिर ऐतिहासिक रूप ले सके। उन्होंने अपने कोष से मंदिर निर्माण के सहयोग में राशि देने की घोषणा की और कमेटी को आस्वस्त किया कि राज्य के कोने-कोने से लोगों द्वारा इसमें सहयोग कराऊंगा। मंदिर निर्माण में राजेंद्र गुप्ता, धर्मेंद्र स्वर्णकार, कृष्ण कुमार ज्वेलर्स, डॉक्टर टीपी सिंह, डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव, डॉक्टर हिना चंद्रा, चंदू मिश्रा, अरविंद सराफ, डॉ. आशुतोष शरण, रवि शंकर प्रसाद, रामबाबू प्रसाद के साथ डॉ. लालबाबू प्रसाद उप मेयर सहित उपरोक्त लोगों ने स्वेच्छा से एक

भारी भरकम राशि की मंदिर सेवा के लिए घोषणा की। कमेटी के सचिव सुधीर अग्रवाल ने बताया कि पंच मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. शंभू नाथ सिकरिया अस्वस्थ होने के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सके। आम सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार बैठक के बाद एक प्रतिनिधिमंडल उनके आवास पर मिला जहां उन्हें मंदिर सहयोग के लिए धर्म परायण उनके माता-पिता की मूर्ति मंदिर में वे लगवाएं और एक अच्छे राशि का सहयोग मंदिर को देंगे। श्री सिकारिया ने आम सभा में लिए गए निर्णय को स्वीकार करते हुए प्रतिनिधिमंडल को आस्वस्त किया। बैठक में रवि भूषण अधिवक्ता, श्याम सुंदर प्रसाद, अमित कुमार, अशोक कुमार शर्मा, कुशल कुमार, मदन प्रसाद, राकेश कुमार, संतोष कुमार, राम भजन, हरीश कुमार, राजेश कुमार, प्रेम किशोर केसरी, सुरेश चंद्र, प्रभाकर प्रसाद गुप्ता, प्रभात कुमार अन्य लोगों ने बैठक में उपस्थित होकर समर्पित भाव से मंदिर में सहयोग करेंगे और अपना बहुमूल्य समय देकर मंदिर के कार्यों में अग्रसर रहेंगे।

अघोर परंपरा की प्राचीन साधनास्थली की भूमि पर कथित कब्जे का विरोध, कंबल वितरण व भंडारे का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

पिपराकोठी स्थित बाबा टेकमन राम समाधि स्थल की भूमि पर स्कूल निर्माण के नाम पर कथित अवैध कब्जे के प्रयास को लेकर अघोर परंपरा से जुड़े श्रद्धालुओं और स्थानीय व्यवस्थापकों में रोष व्याप्त है। इस संबंध में 12 जनवरी 2026 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर वाराणसी से आए प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय व्यवस्थापकों के सहयोग से पत्रकारों को पूरे मामले की जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि बाबा टेकमन राम समाधि स्थल सनातन की औघड़/अघोरी परंपरा से जुड़ी प्राचीन साधनास्थली है, जिसकी व्यवस्था स्थानीय व्यवस्थापक श्री बिगु दास के सहयोग से वाराणसी स्थित अघोर परंपरा के मुख्य केंद्र बाबा कीनाराम स्थल, क्रीं-कुण्ड के अंतर्गत संचालित होती है। यह

स्थल अघोर परंपरा के आराध्य एवं वर्तमान पीठाधीश्वर अघोराचार्य महाराजश्री बाबा सिद्धार्थ गौतम राम जी के अधीन बताया गया। प्रधान व्यवस्थापक अरुण सिंह ने मठ की भूमि के एक हिस्से पर कथित कब्जे के प्रयास की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जब संबंधित जमीन के सभी कागजात कानूनी रूप से अघोर परंपरा के हेडक्वार्टर के अधीन हैं, तो इस तरह के प्रयास अवैध हैं और इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। संस्था की महिला मंडल की प्रधान संयोजिका रुबी सिंह ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि सामाजिक कार्यों की आड़ में किसी की धार्मिक संपत्ति पर कब्जा नहीं किया जा सकता। उन्होंने स्थानीय राजनीतिज्ञों और प्रशासन को आगाह करते हुए इस प्रयास को सनातन परंपरा के लिए शर्मनाक बताया। स्थानीय समाजसेवी एवं अनुयायी रजनीश पुष्कर ने इसे सनातन संस्कृति का अपमान बताते हुए शासन-प्रशासन से मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस की अगुवाई कर रहे नीरज वर्मा ने स्पष्ट किया कि पिपराकोठी स्थित अघोर परंपरा से जुड़ी यह भूमि पूरी तरह बाबा कीनाराम स्थल, क्रीं-कुण्ड वाराणसी द्वारा संचालित है और अघोराचार्य बाबा सिद्धार्थ गौतम राम जी के अधीन है। उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री से इस मामले में संज्ञान लेने की अपील की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के उपरांत बाबा टेकमन राम समाधि परिसर में आए प्रतिनिधिमंडल एवं स्थानीय व्यवस्थापकों के सहयोग से जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर भव्य आयोजन, स्वामी विवेकानंद के विचारों से युवाओं में संचारित हुई नई ऊर्जा

बीएनएम @ अरेराज

ऐतिहासिक सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर के प्रांगण में स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंडलेश्वर श्री श्री 108 रवि शंकर गिरी जी महाराज ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर ने युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज के दिग्भ्रमित युवाओं के लिए प्रकाश पुंज के समान हैं, जो उन्हें पुरुषार्थ, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का दर्शन आज भी युवाओं को आत्मनिर्भर और चरित्रवान बनने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम केवल औपचारिकता तक सीमित

नहीं रहा, बल्कि इसे सामाजिक जागरूकता से जोड़ा गया। युवाओं को नशा मुक्ति, स्वच्छता और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए सशक्त राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया। समारोह के दौरान उपस्थित युवाओं ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया।

बेतिया राज की जमीन पर बसे लोगों को मालिकाना हक़ देने की मांग, सीपीआई का एकदिवसीय धरना

बीएनएम @ मोतिहारी

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के कृषक संगठन बिहार राज्य किसान सभा, पूर्वी चंपारण के आह्वान पर सोमवार, 12 जनवरी को जिला मुख्यालय मोतिहारी के समाहरणालय परिसर में एकदिवसीय सांकेतिक धरना दिया गया। धरने की अध्यक्षता रामचंद्र प्रसाद कुसवाहा ने की। कचहरी चौक स्थित धरना स्थल पर वक्ताओं ने किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान बेतिया राज की जमीन पर बसे लोगों को मालिकाना हक़ देने तथा उन्हें उजाड़ने की कथित साजिशों पर रोक लगाने की मांग की गई। वक्ताओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से राज्य सरकार से जनहित में हस्तक्षेप की अपील की और आम जनता से इस आंदोलन में एकजुट होने का आह्वान किया। धरना को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि जनतंत्र में जमीन पर पहला अधिकार जनता का है, किसी बेतिया राज का नहीं। उन्होंने

स्पष्ट किया कि बेतिया राज की एक इंच जमीन से भी जनता को बेदखल नहीं किया जा सकता और इस मुद्दे पर न्यायालय से लेकर सड़क तक संघर्ष जारी रहेगा। बिहार राज्य किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण को अपनी मांगों से संबंधित एक लिखित ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख मांगों में बेतिया राज की जमीन पर बसे लोगों को मालिकाना हक़ देना और बेदखली पर रोक, सभी कृषि उपजों के लिए सी-2 प्लस 50 प्रतिशत की दर से न्यूनतम समर्थन मूल्य तय कर खरीद की गारंटी, मोतिहारी एवं चकिया चीनी मिलों को पुनः चालू कर किसान-मजदूरों के बकाया का भुगतान, गन्ने की कीमत 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करना, खाद की कालाबाजारी पर रोक, निर्धारित मूल्य पर खाद-बीज उपलब्ध कराना, रसायनिक खाद व बीज की सब्सिडी सीधे किसानों को देना, सभी कृषि ऋण माफ करना तथा घोड़पडास से फसल क्षति का मुआवजा देने की मांग शामिल रही। धरने में रामायण सिंह, विजय शंकर सिंह, विश्वनाथ यादव, पुष्पेन्द्र के द्विवेदी, राधामोहन सिंह, गिरजानन्दन राय, रूपलाल प्रसाद, गया प्रसाद, जगन्नाथ राम, मजहर आलम, राजेंद्र सिंह, भरत राय, बाबूलाल राय, विकास कुमार सिंह कुशवाहा सहित कई किसान नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरसीसी नाला एवं पीसीसी सड़क निर्माण हो जाने से जल-जमाव की गंभीर समस्या से मिलेगी निजात- महापौर

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी की महापौर प्रीति कुमारी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं निर्देश पर नगर निगम बोर्ड से पारित अति महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं के अंतर्गत शहर में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में वार्ड संख्या–22 में बाजार समिति के सामने सोहन केडिया की दुकान से पंडाल चौक तक आरसीसी नाला एवं पीसीसी सड़क निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। महापौर प्रीति कुमारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहीं कि लगभग 1 करोड़ 84 लाख की लागत से हो रहे इस मुख्य नाला एवं सड़क निर्माण कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जल-जमाव की

गंभीर समस्या से स्थायी निजात मिलेगी। इसके साथ ही जिले भर से आने वाले व्यावसायिक, दुकानदारों एवं आम नागरिकों के लिए आवागमन और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो सकेगा। नगर निगम मोतिहारी द्वारा शहर के समग्र एवं सतत विकास को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण, नाला एवं जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइटिंग तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण पर लगातार कार्य किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाएगी, बल्कि शहर के व्यापारिक, आर्थिक विकास एवं शहरी सौंदर्यीकरण को भी नई गति प्रदान करेगी। नगर निगम मोतिहारी शहरवासियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार की विकास योजनाओं के माध्यम से मोतिहारी को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक शहर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

शराब पार्टी करते आठ युवक गिरफ्तार, रॉयल स्टेज की 5 बोतलें जब्त

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना पुलिस ने शराब पार्टी के लिए जुटे आठ युवकों को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से रॉयल स्टेज कंपनी की 750 एमएल की पांच बोतल शराब जब्त की है। गिरफ्तार युवकों में नया टोला निवासी कुंदन कुमार, स्कूल चौक निवासी अमरेश कुमार, राजाराम पुल के नीरज कुमार, तुरकौलिया चौक के नीरज कुमार, पिपरिया के रंजय कुमार, मधुबनी जिला के विशम्भर कुमार, माठवा गांव के अमित कुमार तथा बलही के पंकज कुमार शामिल हैं। इस संबंध में एसआई वरुण कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि स्कूल चौक निवासी अमरेश कुमार के घर कुछ असामाजिक तत्व शराब पार्टी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही कुछ युवक भागने लगे, जिन्हें खदेड़कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए युवकों में से कुछ के मुंह से शराब पीने की गंध आ रही थी। तलाशी के दौरान रॉयल स्टेज की पांच बोतल शराब बरामद की गई। पूछताछ में युवकों ने बताया कि वे बाहर से शराब लाकर पार्टी कर रहे थे। कुछ लोग शराब पी चुके थे, जबकि कुछ पीने की तैयारी में थे। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में पांच युवकों के शराब पीने की पुष्टि हुई है। अन्य युवक पीने से पहले ही पकड़े गए। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तड़पते 3 घंटे: ट्रैक्टर के नीचे कुचली गईं दो मजदूरों की जिंदगियां!

बीएनएम @ अजीत कुमार सिंह @ पकड़ीदयाल : थाना क्षेत्र के चैता गांव में दिल दहला देने वाला हादसा सामने आयी है। ईंट भट्ठे से लौट रहे ट्रैक्टर के पलटने से दो मजदूर कुंदन कुमार और अभिषेक कुमार (सुंदरपट्टी निवासी) ट्रैक्टर के नीचे 3 घंटे तक तड़पते रहे। जेसीबी से वाहन हटने तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। तीसरा मजदूर भी गंभीर रूप घायल हो गया। सुबोध सिंह के घर के पास खतरनाक मोड़ पर ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। ट्रैक्टर पलटा, तीनों मजदूर उसके नीचे दब गए। ग्रामीण दौड़े, एक को खींच निकाला। लेकिन कुंदन और अभिषेक फंस गए। चीखें गूंजीं— "बचाओ! तड़प रहे हैं!" सूचना पर पुलिस-प्रशासन पहुंचे। जेसीबी से ट्रैक्टर हटाया, शव पोस्टमार्टम को भेजे। चालक से पूछताछ जारी है। मृतक कुंदन के चाचा बोले, "ड्राइवर की आंखों पर अचानक लाइट पड़ी, मोड़ खतरनाक। साल भर पहले भी एक रविवार को विश्वनाथ शाह-रामजी शाह के भट्ठे से लौटते तीन मजदूरों का ट्रैक्टर पलटा। मालिकों को फोन किया, कोई जवाब न आया। रोज मजदूरी, ऐसी मौत!"दोहराए जा रहे हादसे, प्रशासन सोया? यह इलाका हादसों का शिकार सवाल फिजाओं में तैर रहे है। खराब मोड़, तेज रफ्तार, लापरवाह ड्राइवर। ग्रामीण सवाल उठा रहे—सड़कें कब सुधरेंगी? मजदूरों की जिंदगी सस्ती? सरकार सर्वे-योजनाओं में व्यस्त, सड़क सुरक्षा भूली। परिवार टूटे, बच्चे अनाथ। कब जगेगी व्यवस्था?

अजगर दिखने से मचा हड़कंप

बीएनएम @ बैरिया : बैरिया पंचायत के बंगाली कॉलोनी में उस समय दहशत का माहौल कायम हो गया, जब विकास वर्मन के घर के बगल में अचानक एक विशाल अजगर दिखाई दिया। अजगर को देखते ही आसपास के ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने-अपने घरों में दुबक गए। ग्रामीणों का कहना है कि यह अजगर बगल के नाले से निकलकर आबादी वाले इलाके में आ गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने सतर्कता बरतते हुए बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर रहने की सलाह दी। घटना की जानकारी तुरंत वन विभाग को दे दी गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि अगर समय रहते अजगर को नहीं पकड़ा गया तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल वन विभाग की टीम के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम @बेतिया : स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर युवा दिवस के तहत लैब ऑफ एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा क्विज, खेल और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के संस्थापक सह अध्यक्ष नितेश कुमार पटेल ने किया। प्रतियोगिता में युवाओं के लिए बैडमिंटन, रिले दौड़, भाषण एवं क्विज जैसी गतिविधियां कराई गईं। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर नितेश कुमार पटेल ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो विश्व धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विश्व गुरु था, है और रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि देश के युवा विज्ञान, खेल, व्यवसाय और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में जागरूक होकर आगे बढ़ें, तो भारत फिर से हर क्षेत्र में अग्रणी बनेगा।कार्यक्रम में संस्था के सचिव सुजीत सोनी, कोषाध्यक्ष विनय पटेल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन से युवाओं में उत्साह और जागरूकता देखने को मिली।

तीन दशक बाद चंपारण लौटी गंडक (नारायणी), सूना पड़ा गोपालगंज का नारायणी रिवर फ्रंट

बीएनएम@डुमरियाघाट@ अमित कुमार सिंह

अति पौराणिक गंडक (नारायणी) नदी ने करीब तीन दशक बाद एक बार फिर अपनी मुख्य धारा बदलते हुए चंपारण की ओर रुख कर लिया है। लगभग तीस वर्षों से गंडक की मुख्य धारा डुमरियाघाट पुल के समीप गोपालगंज परिक्षेत्र में बह रही थी, लेकिन बीते एक वर्ष से नदी की धारा गोपालगंज से हटकर पूर्वी चंपारण जिले की ओर प्रवाहित होने लगी है। गंडक की धारा के चंपारण लौट आने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वहीं गोपालगंज जिले के डुमरियाघाट क्षेत्र में नदी का प्रवाह लगभग समाप्त हो गया है। गोपालगंज में गंडक तट पर भारी लागत से विकसित किया गया नारायणी रिवर फ्रंट अब सूना पड़ा है। नदी की मुख्य धारा रिवर फ्रंट से करीब एक किलोमीटर दूर पूर्वी चंपारण की ओर खिसक जाने से वहां की रौनक पूरी तरह खत्म हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से कार्तिक पूर्णिमा समेत अन्य पर्वों पर श्रद्धालुओं को स्नान के लिए गोपालगंज की ओर जाना पड़ता था। अब नदी की धारा चंपारण लौटने से उम्मीद जगी है कि आने वाले वर्षों में कार्तिक स्नान पूर्वी चंपारण की सीमा में ही संभव हो सकेगा। हालांकि, जिले में अब भी प्रशासनिक उदासीनता के कारण समुचित घाटों और मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, जिससे श्रद्धालुओं को मजबूरी में गोपालगंज जाना पड़ता है। गंडक की धारा में बदलाव का एक सकारात्मक प्रभाव यह भी सामने आया है कि तेज बहाव के कारण बार-बार प्रभावित हो रहे निर्माणाधीन डुमरियाघाट पुल के पिलरों पर अब दबाव नहीं रह गया है। वर्तमान में पुल के समीप नदी की धारा पूरी तरह सूख चुकी है, जिससे पुल निर्माण कार्य के तेजी से आगे बढ़ने की संभावना बढ़ गई है। उधर गोपालगंज जिले में नारायणी रिवर फ्रंट के सामने गंडक नदी का तल अब खेत में तब्दील हो चुका है। किसानों ने यहां खेती शुरू कर दी है। हैरानी की बात यह है कि महज छह माह पहले तक इसी स्थान पर नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी और रिवर फ्रंट के ऊपरी हिस्सों को छू रही थी, जबकि अब वही इलाका पूरी तरह सूखा पड़ा है। करीब तीन दशक बाद गंडक (नारायणी) की चंपारण में वापसी को लोग ऐतिहासिक मान रहे हैं और इसे क्षेत्र के लिए शुभ संकेत बता रहे हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु से जुड़ी यह नदी नारायणी के नाम से प्रसिद्ध है, ऐसे में इसकी वापसी को आस्था और भविष्य की संभावनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेला में शिक्षकों ने दिखाया नवाचार, तीन संकुल रहे अव्वल

बीएनएम @ तुरकौलिया

प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय परिसर में प्रखंड स्तरीय टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) मेला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के 16 संकुलों के शिक्षकों ने भाग लिया। मेले का उद्देश्य बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि और उत्सुकता बढ़ाने वाली शिक्षण सामग्री को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में यूएचएमएस बिजुलपुर के शिक्षक रंजीत कुमार ने प्रथम स्थान, यूएचएस रघुनाथपुर की रितु रानी शरण ने दूसरा स्थान तथा शंकर सरैया यूएचएस की ज्योति कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) जितेंद्र कुमार, प्रधानाध्यापक शिप्रा आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीईओ जितेंद्र कुमार ने की, जबकि संचालन शिक्षक आनंद कुमार ने किया। इस अवसर पर बीईओ ने कहा कि टीएलएम मेले जैसे आयोजनों से शिक्षकों को नवाचार के साथ शिक्षण सामग्री तैयार करने और उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। टीएलएम के माध्यम से बच्चे विषय को सरल, रोचक और स्थायी रूप से समझ पाते हैं, जिससे उनमें सीखने की रुचि बनी रहती है। चार सदस्यीय निर्णायक मंडल में प्रधानाध्यापक शिप्रा, जयप्रकाश ठाकुर, राघवेंद्र प्रसाद और लोकेश कुमार पाण्डेय शामिल थे। इससे पूर्व संकुल स्तर पर टीएलएम मेला आयोजित किया गया था, जहाँ से चयनित सर्वश्रेष्ठ टीएलएम को प्रखंड स्तर पर भेजा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रविभूषण मिश्र, बीआरसी से दीपक कुमार, विजय कुमार सहित कई शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गई स्वामी विवेकानंद की जयंती

बीएनएम @ सुगौली

नगर पंचायत के वार्ड संख्या छः स्टेशन रोड़ स्थित आजाद क्लब में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में स्वामी विवेकानंद की जयंती धूमधाम से मनाई गई। सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने स्वामी जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वहीं आजाद क्लब के अध्यक्ष राजा सिंह, जन जागरण मंच के संस्थापक मधुरेन कुमार, वार्ड पार्षद पति ऐनुल हक, किशोरी प्रसाद, अजीत कुमार सिंह, मोहम्मद सोहैल मुन्ना, शकील मियां ने स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचारों का अनुसरण कर महान व्यक्तित्व का सृजन किया जा सकता है। स्वामी जी के प्रेरक विचार "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"को आत्मसात करने का आह्वान युवाओं से किया। वहीं जन जागरण मंच के सचिव मधुरेन कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद मानते थे कि मनुष्य के अंदर असीम शक्ति है और खुद पर विश्वास ही सबसे बड़ी शक्ति है। वहीं आजाद क्लब के अध्यक्ष राजा सिंह कहा कि स्वामी जी का कहना था कि हम वही हैं जो हमारे विचारों ने हमें बनाया है; इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि आप क्या सोचते हैं।" विचार ही कार्य बनते हैं, इसलिए मस्तिष्क को महान विचारों से भरना चाहिए। ऐनुल हक ने मौके पर स्वामी विवेकानंद के विचार हर धर्म का सम्मान करो और सर्वधर्म समभाव में विश्वास रखो,को उद्धृत करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की बात कही। मौके पर कुणाल कुमार, राकेश कुमार, ललन गुप्ता, मो. मोख्तार,कृष्णा सिंह, गोलू सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

कड़ाके की ठंड में लायंस क्लब रक्सौल ने 50 असहायों के बीच किया कंबल वितरण

बीएनएम @रक्सौल

जनवरी माह की कड़ाके की ठंड को देखते हुए लायंस क्लब रक्सौल की ओर से मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया गया। क्लब द्वारा 50 गरीब, असहाय एवं निःशक्त लोगों के बीच ठंड से बचाव के लिए जीवनदायी कंबलों का वितरण किया गया। बीती रात लायंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष लायन बिमल कुमार सर्राफ के नेतृत्व में क्लब सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन सहित अन्य सदस्यों ने स्टेशन रोड, बाटा चौक एवं अनुमंडलीय अस्पताल के आसपास ठंड से कांप रहे लोगों को कंबल ओढ़ाकर राहत पहुंचाई। इस अवसर पर अध्यक्ष लायन बिमल कुमार सर्राफ ने कहा कि लायंस इंटरनेशनल अपने सेवाभावी सदस्यों के माध्यम से लगातार समाज सेवा के कार्य करता आ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पूरे विश्व में लायंस इंटरनेशनल के संस्थापक लायन मेलविन जोन्स का जन्मदिन पूरे माह सेवा कार्यक्रमों के रूप में मनाया जा रहा है। वहीं सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि वे ऐसी संस्था से जुड़े हैं, जो प्राकृतिक आपदा हो या अन्य सामाजिक जरूरत, हर परिस्थिति में सेवा के लिए सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब रक्सौल समय-समय पर निर्धन एवं बेसहारा लोगों के बीच कंबल वितरण, निःशुल्क मेडिकल जांच शिविर, दवा वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। ऐसे कार्यक्रमों से यह संदेश मिलता है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। कंबल वितरण कार्यक्रम में लायन शंभु प्रसाद चौरसिया, लायन गणेश धानोठिया, लायन संजय गुप्ता, लायन डॉ. सुशील सिंह, लायन राजू गुप्ता, लायन नारायण रुंगटा, लायन पंकज बरनवाल, लायन बसंत जालान, लायन सुमित भरतिया एवं लायन डॉ. प्रदीप कुमार ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

छः शराबियों सहित शराब कारोबारी गिरफ्तार

बीस लीटर चुलाई शराब व बाइक जब्त

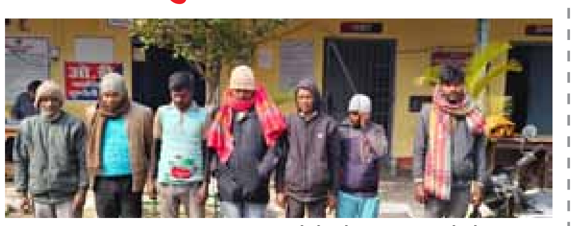

बीएनएम @ सुगौली

स्थानीय पुलिस ने एक चुलाई शराब कारोबारी सहित छः शराबियों को पकड़कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने पुष्टि करते हुए बताया कि थानाक्षेत्र के भवानीपुर निवासी रंगीला सहनी के पुत्र अर्जुन सहनी को धर्मपुर पुल के पास से सुपर स्पेंडर बाइक पर बीस लीटर देशी चुलाई शराब ले जाते गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बरामद शराब व बाइक को जब्त कर लिया है। वहीं शराब का सेवन करते छः लोगों को विभिन्न जगहों से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में नगर पंचायत सुगौली के बंगरा निवासी संजय भगत, लौमोनीया निवासी विरेंद्र साह और धर्मपुर निवासी तुलसी साह को तो वहीं पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव निवासी राजेंद्र महंतो, साठी थाना के गोनाही निवासी दीनानाथ राम तथा सुगौली गांव निवासी साहेब साह को सरहरी चौक पर से गिरफ्तार किया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को मद्य निषेध अधिनियम के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर हनुमाननगर में 1000 जरूरतमंद बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण

बीएनएम @ गायघाट/मुजफ्फरपुर

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर गायघाट प्रखंड के हनुमाननगर गांव में एक प्रेरणादायक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सोशल वर्कर सज्जन कुमार के द्वारा किया गया, जिसमें 1000 गरीब परिवारों के बच्चों के बीच कॉपी, कलम, पेंसिल, इरेज़र और कटर का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और समाज में सेवा व सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दीपक मिश्र उर्फ बउआ जी तथा विशिष्ट अतिथि विद्यापति ठाकुर, देवेंद्र राय, महादेव राय, धीरज कुमार, ओम प्रकाश, अजय कुमार, पवन कुमार, लोकेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दो दोस्त सोशल वर्कर सज्जन कुमार व धीरज कुमार ने संकल्प लिया है कि अपनी कमाई का 25 प्रतिशत समाज सेवा के लिए दान करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि उन्होंने जीते जी रक्तदान और मृत्यु के बाद अंगदान करने का संकल्प लिया है। अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलकर ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के चेहरों पर दिखी मुस्कान ने आयोजन को सफल और सार्थक बना दिया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर भव्य व्याख्यान समारोह आयोजित

बीएनएम @अरेराज

महंत शिव शंकर गिरि महाविद्यालय, अरेराज के प्रांगण में सोमवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी व्याख्यान समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 रविशंकर गिरि महाराज, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बी. एन. झा, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, नीरज ठाकुर, डॉ. कुमार रश्मि रंजन एवं डॉ. धीरेन्द्र कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंच संचालन का दायित्व राजा बाबू ने कुशलतापूर्वक निभाया, जबकि नगर मंत्री दीपक कुमार एवं निवर्तमान अध्यक्ष आशु कुमार पांडेय ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर रविशंकर गिरि महाराज ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल भारत ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य इसकी भूमि में नहीं, बल्कि युवाओं के चरित्र में निहित है। युवाओं को कुसंस्कृति, व्यभिचार और भटकाव से दूर रहकर अपने जीवन को पवित्र, अनुशासित और लक्ष्यनिष्ठ बनाना चाहिए। उन्होंने मोबाइल रील और आभासी दुनिया के मोह से निकलकर विवेकानंद जैसे महापुरुषों को आदर्श मानने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" के मंत्र को जीवन में आत्मसात करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित ने विवेकानंद के विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए आधुनिक तकनीक और मोबाइल के दुरुपयोग से उत्पन्न सामाजिक विकृतियों पर चिंता व्यक्त की। वहीं प्राचार्य प्रो. बी. एन. झा ने स्वामी विवेकानंद को वैश्विक विचारधारा का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने गुरु की शिक्षाओं के माध्यम से मानवता और विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. धीरेन्द्र कुमार ने चिंतनधर्मी आलेख का पाठ किया, जबकि डॉ. कुमार रश्मि रंजन ने स्वामी विवेकानंद की प्रमुख शिक्षाओं को विस्तारपूर्वक समझाया। नीरज ठाकुर ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सामाजिक और राष्ट्रनिर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिषद के सक्रिय कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। राजन कुमार, रमन सिंह और अमित मिश्रा ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में डॉ. सच्चिदानंद मंडल, डॉ. मदन कुमार सहित एनएसएस, एनसीसी के कैडेट्स एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में गोलू दास द्वारा सभी आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े

ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के खिलाफ जो तर्क दिया है, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए इस हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के आसपास सैन्य दबाव कई महीनों से बना रखा था, लेकिन तब कहा गया कि यह "मादक पदार्थों की तस्करी" पर कार्रवाई के लिए है। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने अपने देश की संसद के सामने कहा कि वेनेजुएला पर हमला करने या वहां 'शासन परिवर्तनÓ कराने का उसका कोई इरादा नहीं है। इस तरह तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर जो हमला किया, वह अमेरिका में बिना संसदीय मंजूरी के किया गया। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के अनेक सांसदों ने इसे अमेरिकी संविधान का उल्लंघन बताया है। इस हमले के जरिए वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी को उनके निवास से उठा लिया गया। उन्हें न्यूयॉर्क लाकर उन पर मुकदमा चलाने का एलान किया गया है, जबकि इस कार्रवाई को वहां के मेयर जोहरान ममदानी ने देश के संघीय एवं अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। अंतरराष्ट्रीय कानून का सर्वोपरि सिद्धांत हर देश की संप्रभुता का सम्मान है, जिसका किसी देश को उल्लंघन नहीं करना चाहिए। किसी उच्छृंखल देश के खिलाफ भी संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी से बहुपक्षीय बल के जरिए ही वैध कार्रवाई की जा सकती है। मगर इस मामले में संयुक्त राष्ट्र तो दूर, ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के सहयोगी देशों की सहमति भी प्राप्त नहीं की। इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए 'एकतरफा कार्रवाईÓ के अपने चलन को एक नए मुकाम पर ले गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य का ऐसा व्यवहार नियम आधारित विश्व व्यवस्था के लिए खुली चुनौती है। इससे दुनिया के हर हिस्से में हमलों की धमकी देने, कमजोर देश को डराने, और मनमाने ढंग से दूसरे देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करने की प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलने का अंदेशा है। ट्रंप प्रशासन ने जिस तर्क को आधार बनाकर वेनेजुएला पर कार्रवाई की, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि आगे चल कर कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है।

जंग- ए-आजादी का प्रथम सेनानी तिलकामांझी

कुमार कृष्णन

जंग ए आजादी का पहला स्वतंत्रता संग्राम 1857 का माना जाता है लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल 1780-84 में ही बिहार के संथाल परगना में तिलका मांझी की अगुवाई में शुरू हो गया था।तिलका मांझी को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी माना जाता है। 1857 की क्रांति से लगभग सौ साल पहले स्वाधीनता का बिगूल फूंकने वाले तिलका मांझी को इतिहास में खास तव्वजो नहीं दी गई। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत की आज़ादी के आन्दोलन में तिलका मांझी को आदिविद्रोही का दर्जा प्राप्त हैं, जिन्होंने ईस्ट इण्डिया कंपनी के बिहार, बंगाल और उड़ीसा में राजस्व वसूली और जमीन पर कब्जे के खिलाफ पहाड़िया आदिवासियों के आन्दोलन को नेतृत्व प्रदान किया। ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना के बाद प्रथम प्रतिरोध के रूप में पहाड़िया आदिवासियों का यह उलगुलान राजमहल की पहाड़ियों और संथाल परगना में 1771 से लेकर 1791 तक ब्रिटिश हुकूमत, महाजन, जमींदार, जोतदार और सामंतों के विरुद्ध अनवरत चलता रहा। 18वीं सदी के उत्तरार्ध में जंगल तराई इलाके (संथाल परगना, भागलपुर, मुंगेर, हजारीबाग, राजमहल, खड़गपुर) में पहाड़िया आदिवासी मुख्यतः आखेटक, खाद्य (अनाज) संग्रहक, झूम खेती एवं जंगल के उत्पादों-लकड़ी, फल-फूल, पत्तों, जड़ी-बूटी पर निर्भर समुदाय थे। जंगल के इस सम्पूर्ण भू-भाग पर उनका कब्जा था और यही आदिवासियों की जीविका के साधन और जीवन जीने के संसाधन थे और मैदानी भागों के जमींदार इन पहाड़िया आदिवासी सरदारों को नियमित नजराना और व्यापारी चुंगी देते थे। बदले में आदिवासी सरदारों द्वारा सुरक्षा की गारंटी दी जाती थी। ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनी ने जमींदारों के साथ मिलकर आदिवासी क्षेत्रों की जमीनों पर कब्ज़ा कर राजस्व वसूली, भू-बंदोबस्त और शोषण का कार्य शुरू कर अपना मालिकाना हक़ जताना शुरू कर दिया था। कोर्ट ऑफ़ डायरेक्टर्स के आदेश के अनुसार इस क्षेत्र में अगले दस साल के लिए जमींदारी बंदोबस्त लागू कर दिया गया था। झूम खेती और जंगलों को काटकर स्थायी खेती करने के आदेश दिए। भू-बंदोबस्त, दिकु (जमीदार, साहूकार) और नई प्रशासनिक व्यवस्था ने इस क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक संतुलन को गड़बड़ा दिया। 1769-70 के अकाल ने इस संकट को अधिक गहरा कर दिया। लिहाजा दोनों के बीच टकराव बढ़ने लगा था। कंपनी और उसके सहयोगियों ने सैनिक दमन तेज कर दिया और आदिवासी सरदारों को लालच दिया। दूसरी तरफ वारेन हेस्टिंग्ज़ ने 1772 में 800 सिपाहियों की एक शस्त्र सेना का गठन कप्तान रोबर्ट ब्रुक के नेतृत्व में किया। ईस्ट इंडिया कंपनी अधिकारियों ने रोबर्ट ब्रूक के अधिकार क्षेत्र विस्तार करते हुए राजमहल, खड़गपुर और भागलपुर को मिलाकर के एक मिलिट्री कलेक्टरी नवम्बर 1773 में गठित की। ब्रूक के बाद मेजर जेम्स ब्राउनी ने भी लालच की नीति को अपनाया। लेकिन पहाड़िया आदिवासियों एवं उनके छापामार संघर्ष के खिलाफ वो असफल रहे। नई नीति के तहत कंपनी अधिकारियों ने पहाड़िया सरदारों और गांव वालों को अंग्रेजी कैंपों में बुलाना, उपहार, नगदी, अनाज और सम्मान में पगड़ी पहनाना शुरू किया। साथ ही साथ गैर आदिवासियों अथवा गैर-पहड़िया लोगों को मैदानी भागों में स्थायी रूप से बसने के लिए बाहर से बुलाया गया। कंपनी के सेवानिवृत और अथवा पूर्व नौकरशाहों को इनवैलिड जागीर के नाम से ज़मीनों पर मालिकाना हक़ देना शुरू किया ताकि आदिवासी बहुल क्षेत्र की जनसांख्यिकी को तब्दील किया जा सके। पहाड़िया सरदारों के उत्तराधिकारियों को कंपनी ने मान्यता देना और निर्धारित स्थानों पर हाट (साप्ताहिक बाजार) लगाने की अनुमति दी गयी। आदिवासियों से मुचलके शपथ पत्र भरवाये गए जिनमें अंग्रेजी हुकूमत के प्रति वफादार रहने का वादा लिया गया लेकिन कामयाबी हासिल नहीं हुई। नतीजतन कंपनी ने 1779 में आगस्टस क्लीवलैंड (चिलमिल साहेब) को भागलपुर मजिस्ट्रेट और कलेक्टर की जिम्मेदारी के साथ भेजा। क्लीवलैंड ने लालच और भय के साथ उनकी सैनिक क्षमता और युद्धकला का इस्तेमाल अंग्रेजी साम्राज्य के विस्तार के लिए करते हुए "हिलरेंजर्स" (अनियमित सेना) का गठन किया। जिसे कुछ समय बाद 'भागलपुर हिल रेंजर्स" तब्दील कर दिया गया, लेकिन 1857 के बाद इसे भंग कर दिया। इसी तरह 1782 में 'हिल असेंबली' और एक नयी प्रशासनिक इकाई दामिन-ए-कोह का गठन किया गया। आदिवासियों के आरक्षित क्षेत्रों में दिकुओं के प्रवेश, राजस्व उगाही, इनवैलिड जागीर की उपस्थिति ने तिलका मांझी एवं अन्य पहाड़िया आदिवासियों के उलगुलान की पृष्टभूमि तैयार की। तिलका मांझी ने भागलपुर में बनचरीजोर नामक स्थान पर अंग्रेजों पर हमला करके उलगुलन की शुरुआत की। अंग्रेजी खजाने और गोदामों को लूट कर आदिवासियों में बांट दिया गया। तिलका मांझी का जन्म 11 फरवरी 1750 को राजमहल पहाड़ियों के मध्य बसे सेंगारसी/ सिंगारसी पहाड़ (संथाल परगना) नामक गांव में हुआ था, पिता सुगना मुर्मू गांव के मांझी (मुखिया) थे। संथाल परगना गजेटियर्स में जबरा/जौराह पहाड़ियों का जिक्र ही हिल रेंजर्स के सरदार, कुख्यात डकैत, गुस्सेल मांझी के रूप में जिक्र किया गया हैं जो बाद में तिलका मांझी नाम से विख्यात हुआ। डॉ सुरेश कुमार सिंह ने अपनी पुस्तक ट्राइबल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया में जौरा/जौराह/जबरा/जौराह पहाड़िया और तिलका मांझी को एक ही व्यक्ति के रूप में उल्लेख किया है। ट्राइबल सोसाइटी ऑफ इंडिया डॉ. कुमार सुरेश सिंह की एक प्रसिद्ध पुस्तक है, जिसमें उन्होंने भारतीय जनजातीय समाजों के इतिहास, समाजशास्त्र और संस्कृति का विस्तृत अध्ययन किया है। डॉ. कुमार सुरेश सिंह को आदिवासी इतिहास के अध्ययन के लिए जाना जाता है। पहाड़िया में 'तिलका' का मतलब है, ऐसा व्यक्ति जो ग़ुस्सैल हो और जिसकी आंखें लाल-लाल हों. तिलका मांझी का स्वभाव इतना गर्मजोशी भरा था कि उनका नाम तिलका पड़ गया था। लाइव हिस्ट्री आफ नामक किताब के अनुसार ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी वाले उन्हें इसी नाम से बुलाने लगे थे। 'जबरा पहाड़िया' आगे चलकर गांव का प्रधान बन गया। उनके समुदाय में ग्राम प्रधान को 'मांझी' बुलाते थे।इस तरह 'जबरा पहाड़िया' का नाम तिलका मांझी बन गया। धीरेन्द्रनाथ बास्की ने अपनी बंगाली भाषा में लिखित अपने 'संथाल गणसंग्रामर' इतिहास 1781 -1785 के संथाल विद्रोह और तिलका मुर्मू द्वारा कलेक्टर की हत्या और तिलका का संथाल आदिवासी के रूप में जिक्र किया हैं। राकेश कुमार सिंह ने अपने उपन्यास हूल पहाड़िया में तिलका मांझी को जबरा पहाड़िया के रूप में चित्रित किया है। उसी तरह महाश्वेता देवी का उपन्यास शाल गिरर की पुकार में तिलका मांझी/ जबरा पहाड़िया/ जौराह पहाड़िया के जीवन और उलगुलान के बारे में लिखा है। राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने भी अपनी पुस्तक में तिलकामांझी के किरदार के बखूबी लिखा है। वहीं हाल में वाणी प्रकाशन से घनश्याम द्वारा लिखी गई पुस्तक का नाम आदिविद्रोही तिलका मांझी प्रकाशन हुआ है। यह पुस्तक तिलका मांझी के जीवन और संघर्ष पर आधारित है। तिलकामांझी ने अंग्रेजों के अत्याचार को देखा था, आदिवासियों की जमीनों पर दिकुओं का कब्जा था। दिकुओं और पहाड़िया आदिवासियों के मध्य अक्सर इसी को लेकर संघर्ष होता रहता था। जमींदार तबका अक्सर अंग्रेजों के साथ मिला हुआ होता था। तिलका मांझी के नेतृत्व में चले इस उलगुलान का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों की ज़मीनों पर राजस्व वसूली, आदिवासियों की जमीनों पर गैर आदिवासियों को मालिकाना हक़, फूट डालो-राज करो की नीति और सैनिक कारवाईयों का विरोध करना तथा दिकुओं की सत्ता को समाप्त करना था। 'झारखण्ड इनसाइक्लोपीडियाः हुलगुलानों की प्रतिध्वनी' में सुधीर पॉल और रणेन्द्र लिखते हैं कि गंगा-ब्राह्मी के तराई वाले क्षेत्र- मुंगेर, भागलपुर और संथाल परगना में कई लड़ाइयां हुई। जिसमें एक तरफ भागलपुर कलेक्टर आगस्टस क्लीवलैंड और सेनापति जनरल सर आयर कूट और अंग्रेजों की अधीनता स्वीकार किए हुए सरदारों का गठबंधन था, तो वहीं दूसरी तरफ तिलका मांझी उर्फ जबरा/ जौराह पहाड़िया। तिलका मांझी ने 1780-85 के मध्य ब्रिटिश हुकूमत के ऊपर लगातार हमले किये। इसके लिए आदिवासियों और अन्य लोगों को एकजुट करना शुरू किया। शाल के पेड़ की छाल में गांठ बांध कर गांव-गांव आदिवासियों को एकजुट होने का निमंत्रण भेजा गया। मारगो दर्रा, तेलिया गढ़ी और कहलगावं में अंग्रेजी खजाने को लूटकर आदिवासियों में बांट दिया। अंग्रेजी हुकूमत, सामंतों, जमींदार, साहूकार, महाजन, दिकुओ पर आदिवासियों के हमले जारी रहे।

मकर संक्रांति त्योहार के पीछे के वैज्ञानिक सिद्धांत

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

हर साल 14 जनवरी को हम मकर संक्रांति मनाते हैं। यह एकमात्र भारतीय त्योहार है जो सौर कैलेंडर के दिन मनाया जाता है। बाकी सभी भारतीय त्योहार चंद्र कैलेंडर के अनुसार मनाए जाते हैं इसलिए सौर कैलेंडर के अनुसार उनके मनाने के दिन हर साल बदलते रहते हैं। खगोल विज्ञान, गणित और ज्यामिति सहित प्राचीन भारतीय विषयों में संस्कृत तकनीकी शब्द "संक्रांति" का इस्तेमाल किया जाता था। महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक, मकर संक्रांति भारत के कई क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन आधिकारिक तौर पर नई फसल का मौसम शुरू होता है। हालांकि, मकर संक्रांति का सांस्कृतिक महत्व इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहाँ रहते हैं; अलग-अलग राज्य इसे अलग-अलग नामों से मनाते हैं लेकिन उसी स्नेह के साथ। मकर संक्रांति का त्योहार एक खगोलीय घटना पर आधारित हैः सूर्य का दक्षिणी से उत्तरी गोलार्ध में स्पष्ट ग्रहण संबंधी बदलाव। विज्ञान के अनुसार, यह सूर्य के खगोलीय भूमध्य रेखा को पार करने का संकेत देता है, जो शीतकालीन संक्रांति के बाद सूर्य के उत्तर की ओर बढ़ने की खगोलीय घटना है। सनातनी सूर्य की पूजा करते हैं और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, उसे एक खगोलीय पिंड और एक सचेत देवता दोनों के रूप में देखते हैं। मकर संक्रांति पर सुबह से शाम तक, चैतन्य चारों ओर व्याप्त रहता है। इसलिए, साधना (आध्यात्मिक अभ्यास) में लगे साधक को अधिक चैतन्य का सबसे बड़ा लाभ मिल सकता है। चैतन्य के परिणामस्वरूप साधकों में परम अग्नि सिद्धांत, या तेजतत्व भी बढ़ता है। मकर संक्रांति साधना के लिए एक उत्कृष्ट दिन है। सूर्य का उत्तर की ओर गमन सर्दियों के अंत और उत्तरी गोलार्ध में अधिक दिन की रोशनी का संकेत देता है। अतीत में, यह कृषि चक्रों के साथ-साथ होता थाः फसलें कट जाती थीं, फसलें भंडारित की जाती थीं और नई खेती की तैयारी शुरू हो जाती थी। अलाव जलाना, पतंग उड़ाना और नदी में नहाना व्यावहारिक मूल के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के उदाहरण हैं, जैसे गर्मी देना, लंबे दिनों का स्मरण करना और मौसमी नदी प्रवाह और फसल कटाई के बाद खाली समय से जुड़े औपचारिक शुद्धिकरण। मकर संक्रांति उत्सव का एक अनिवार्य घटक छत पर इकट्ठा होना और सूरज के नीचे पतंग उड़ाना है। इस प्राचीन प्रथा का वैज्ञानिक महत्व है क्योंकि, लंबी सर्दियों के बाद, सूर्य अंततः हमारी ऊर्जा को फिर से भरता है और हमारे शरीर को बैक्टीरिया और बीमारियों से शुद्ध करता है, हम खुशी-खुशी पतंग उड़ाते हैं। सार्वभौमिक त्योहार देश के अलग-अलग हिस्सों में इस दिन के उत्सवों को अलग-अलग नामों से जाना जाता हैः मध्य भारत में सुकरात, असमिया हिंदुओं में भोगली बिहू, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय हिंदुओं में पोंगल और उत्तर भारतीय हिंदुओं और सिखों में लोहड़ी। जिस तरह भारत के कई हिस्सों में मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है, उसी तरह एशिया के अन्य हिस्सों में भी इसे दूसरे नामों से और इसी तरह के कारणों से मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, मकर संक्रांति उत्सव को थाईलैंड में सोंगक्रान और कंबोडिया में मोहा संगक्रांता के नाम से जाना जाता है। इसके अलावा, दुनिया भर के लोग, खासकर भारतीय मूल के लोग, अपनी विरासत से जुड़ाव के कारण मकर संक्रांति मनाते हैं। अनोखे लड्डू बनाने के लिए जो सच में इस मौके को खास बना दें, तिल और गुड़ का एक खास मिश्रण तैयार किया जाता है। इन लड्डुओं को खाने का कारण यह है कि तिल के हर दाने में तेल से मिलने वाले तत्व होते हैं। सर्दियों में त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है और उसे सुरक्षा और मुलायम बनाए रखने के लिए नमी की ज़रूरत होती है। इसलिए, तिल के लड्डू खाना, जो इस उत्सव का एक ज़रूरी हिस्सा है, यह त्वचा को नमी देता है। अक्सर तिल-गुड़ कहे जाने वाली ये मिठाइयाँ मकर संक्रांति उत्सव की परंपराओं को दिखाती हैं और माना जाता है कि ये समुदाय में सद्भाव बढ़ाती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सामाजिक समरसताः-रा स्व संघ जाति, धन और सामाजिक अन्याय के कारण समाज में आई कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। छह उत्सवों में से मकर संक्रांति ऐसा उत्सव है जो समाज में सद्भाव और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देने के लिए छुआछूत और पुरानी गलत परंपराओं को खत्म करने का प्रयास करता है। इस उत्सव का लक्ष्य आंतरिक जागरूकता जगाना और भारत को उसकी पूर्व गरिमा और शान वापस दिलाने के लिए करना है। हिंदू सभ्यता बनाने वाली अलग-अलग जातियों को एक साथ आना होगा। डॉ. हेडगेवार जी के अनुसार, जब तक हिंदू समाज बंटा हुआ है, भारत माता का अस्तित्व खतरे में रहेगा। ये उत्सव डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी ने सामाजिक समता, ममता, समरसता और हिंदू एकता की विशेषताओं के अनुसार मनाना शुरु किया था, जिन्हें वे समाज के लिए ज़रूरी मानते थे। हर उत्सव किसी न किसी गुण का सम्मान करता है। मकर संक्रांति स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन का भी प्रतीक है। संघ कभी भी सतही स्तर पर काम नहीं करता। नेतृत्व और स्वयंसेवकों द्वारा लिया गया हर फैसला समुदाय के हर सदस्य के प्रति करुणा और प्रेम के साथ किया जाता है। सामाजिक सद्भाव के लिए एक सदी की प्रतिबद्धता और काम के बाद, हिंदू एकता के फायदे अब साफ दिख रहे हैं। दबे-कुचले और हाशिए पर पड़े समाजों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने के प्रयासों से संघ में लोगों का भरोसा बढ़ा है। पर्यावरण की देखभाल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना प्रकृति का सम्मान करने के अलावा मकर संक्रांति मनाना उनके लिए भारतीय परंपरा के प्रति वफादार रहने और मकर संक्रांति के सार को बनाए रखने का एक तरीका है। बायोडिग्रेडेबल पतंग उड़ाना कुछ अनोखी पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं में से एक है जो अब मकर संक्रांति उत्सव का एक अभिन्न अंग बन गई हैं। संघ के लिए, पारंपरिक मूल्यों और मकर संक्रांति के सार का त्याग किए बिना जीवन स्थितियों और सामुदायिक लाभों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न सामाजिक अभियानों में भाग लेना उत्सव का एक और पहलू है। समाज में सद्भाव और प्राकृतिक दुनिया के प्रति श्रद्धा को प्रोत्साहित करने के लिए, हम अपनी ऊर्जा को फिर से भर सकते हैं।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने दोस्त के साथ शाम को प्रोग्राम बनायेंगे और यह सोचकर आप पूरा दिन खुश रहेंगे। आज कार्य स्थल पर आप खूब मन लगाकर काम करेंगे, कलीग्स आपको फॉलो करेंगे, आपका पूरा दिन व्यस्तता के साथ गुजरेगा फिर भी आपको यह सोचकर अच्छा लगेगा कि आज आपने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है।
शुभ रंग - हरा

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप अपने जीवनसाथी के साथ किसी खूबसूरत जगह पर घूमने जायेंगे, इससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा। आप एक-दूसरे की भावनाओं को समझने के साथ ही जीवन की हर एक परिस्थिति में साथ देने का वादा भी करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स आज किसी विशेष टॉपिक को समझने के लिए अपने सीनियर्स की मदद लेंगे।
शुभ रंग - सिल्वर

मिथुन राशि:आज का दिन आपके लिए सुनहरा होगा। आज आपके विचारों को अहमियत मिलेगी, आपका सम्मान बढेगा। आज आप माता-पिता के साथ बैठकर भविष्य की योजनाओं पर बात करेंगे। आज आपको यदि किसी कारण से कुछ खोने का डर है तो आप निश्चिन्त हो जाएं ऐसा कुछ नहीं होने वाला क्योंकि आज आपका दिन आपके फेवर में है।
शुभ रंग - पिंक

कर्क राशि:आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके करियर में नया मोड़ आने वाला है यह आपके लिए लाभकारी साबित होगा। आज के दिन आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे आगे चलकर आपकी गहरी दोस्ती हो सकती है। आज आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। आप किसी व्यक्ति की बातों से प्रभावित होंगे आज फालतू कामों में व्यस्तता रहेगी। आज समस्याओं से घबराने के बजाय उनको शांत मन से सुलझाने की कोशिश करें।
शुभ रंग - लाल

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपके जिगरी दोस्त शाम के लिए बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। आज आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है, आप अपने आप में काफी अच्छा महसूस करेंगे। आज आपकी कर्मठता की वजह से लोगों के बीच आपका मान सम्मान बढ़ेगा।
शुभ रंग - गोल्डन

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्केट से मनपसंद सामान खरीदेंगे।
शुभ रंग - पीला

वृश्चिक राशि :आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने लक्ष्य पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है।
शुभ रंग - काला

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे और आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगो का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे ।

मकर राशि : आपके लिए आज का दिन मिले जुले अनुभव देने वाला रहेगा। आज आपके तय किए गये काम नियत समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद को प्रसन्नता होगी ।लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे।

मीन राशि:आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से बात चीत करते समय अपने गुस्से पर काबू रखें। आज यात्रा का योग बन सकता है। जोखिम भरे कामों से दूर रहें।

पं. विद्यानिवास मिश्रः भारतीय चिंतन धारा के अप्रतिम व्याख्याकार

गिरीश्वर मिश्र

भारत के सांस्कृतिक इतिहास की प्रमुख त्रासदी यह थी कि अंग्रेजी उपनिवेश के दौरान भारत को भारत से अपरिचित ही नहीं बनाया गया बल्कि भारतीयों में उसके मूल स्वभाव के प्रति गहरी वितृष्णा भी पैदा की गई। स्वयं अपने प्रति घृणा के जो बीज बोए गए और उसे सुदृढ़ करने के लिए जो शिक्षा व्यवस्था रची गई उसके फलस्वरूप भारत की ज्ञान-परम्परा, सांस्कृतिक अभ्यास और जीवन पद्धति आदि संदिग्ध बना दिया गया। इसका परिणाम आत्म-निषेध के रूप में प्रतिफलित हुआ। दूसरी ओर जो पराया और प्रतिकूल था उसे बिना विचारे अंगीकार किया जाता रहा। पाश्चात्य शिक्षा और अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व का असर कुछ ऐसा हुआ कि हम घोर अनुकरण के दुश्चक्र में फँस गए। फलतः स्वतंत्र होने के बाद भी मौलिक चिंतन प्रायः अनुपस्थित रहा। मुक्त मन से अपनी स्थिति पर आत्म चेतस भाव से दृष्टिपात करने की इच्छा जाती रही। और तो और भारत की पहचान पश्चिमी दुराग्रहों और आग्रहों के साथ होने लगी। भारत को भारत की दृष्टि से देखने की संवेदना ज्ञान की मर्यादा के विपरीत थी। फलतः हम पाश्चात्य विचार दृष्टि के खाके में ही भारत को समझने के अभ्यस्त होते गए। मनुष्य, समाज, मूल्य-बोध, प्रकृति, राज्य, व्यवस्था, तथा शिक्षा आदि के प्रश्न पश्चिमी सैद्धांतिक व्यवस्था की परिधि में विचारे जाने लगे और उन्हीं की कसौटी पर जाँचे परखे जाने लगे। इसके फलस्वरूप भारतीय मन में हीनता का भाव भी बढ़ा पर उससे अधिक हानि उस सांस्कृतिक निरक्षरता से हुई जिसे आधुनिकता के लिए एक जरूरी कदम माना गया। ऐसे में देश अजनवी होता गया और स्वतंत्र भारत में विचार का स्वराज प्रस्फुटित ही न हो सका। देश की बौद्धिक परम्परा कलात्मक विरासत, आध्यात्मिक और सामाजिक चिंतन विषयक अवदान से भी हम अनभिज्ञ होते गए। हम उधारी की विचार संपदा के बोझ तले इस तरह दबते गए कि हममें से कई लोग भारत की उस अस्मिता को प्रश्नांकित करने लगे जिसके लिए स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी। ऐसे परिप्रेक्ष्य में भारतीय चिंतन और विचार-सरणि को सामने रखना और उसे लेकर व्याप्त दुर्व्याख्याओं और भ्रमों का प्रतिकार करना तथा उनको वर्तमान भारतीय और वैश्विक संदर्भ में विवेचित करना अपने आत्म बोध के लिए आवश्यक है। पंडित विद्यानिवास मिश्र उन थोड़े से भारतविदों में थे जिन्होंने इस कार्य को गंभीरता से लिया। बड़े मनोयोग, धैर्य और असाधारण बौद्धिक साहस के साथ यह कार्य किया। विद्यानिवास मिश्र ने धर्म, लोक, शास्त्र, देश, काल, परम्परा, आधुनिकता जैसे प्रत्ययों को समकालीन चिंतन के प्रसंग में व्याख्यायित किया। उनका रचा साहित्य भारत को समझने और समझाने का एक विशाल उपक्रम सरीखा है। उनके ललित निबन्ध जहाँ भारत की पार्थिव गन्ध से सुवासित हैं वहीं, उनका शास्त्रीय चिंतन यहाँ की सांस्कृतिक चेतना को प्रकट करता है। वह रस की तलाश को जीवन का अभीष्ट मानते थे और उसके लिए संवाद हेतु तत्पर रहते थे। उनके लिए परम्परा वह है जो पर के भी परे यानी श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हो। वह निरंतर साध्य है । उन्होंने तंत्र, कला, रस, रीति, शब्द, लोक-जीवन आदि से जुड़े अनेक प्रश्नों का समाधान किया और कई नई स्थापनायें कीं। साहित्य का आस्वादन कराते हुए उन्होंने वाल्मीकि, वेद व्यास, भवभूति और कालिदास, मध्यकालीन भक्ति काव्य तथा आधुनिक साहित्य का सांस्कृतिक विमर्श प्रस्तुत किया। वे संस्कृत के पंडित थे, आस्तिक हिंदू थे, हिंदी के लेखक थे, सैलानी थे, प्राध्यापक थे, आधुनिक साहित्य के अध्येता और भारतीय बोध के प्रखर प्रवक्ता थे। भारत ही नहीं यूरोप, अमेरिका आदि की यात्राओं और अनुभवों ने उनकी दृष्टि और विचार पद्धति को तीक्ष्ण किया था। उनके सांस्कृतिक विवेक ने समकालीन वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझने में मदद की। अपनी रचनाओं और वक्तृता से मिश्र जी ने सोते हुओं को जगाने, उकसाने और उन्मीलित करने के लिए अथक प्रयास किया। भारतीय संस्कृति की रसमयता और सर्जनात्मकता में मिश्र जी का अगाध विश्वास था और इस प्रतीति को वह सहजता से देखते, गुनते, सहेजते और उन्मुक्त भाव से सब के साथ साझा करते रहे। भारतीय विश्व दृष्टि की व्याख्या करते हुए मिश्र जी मानते हैं कि मनुष्य सृष्टि का उपभोक्ता नहीं सहयात्री है। मनुष्य और प्रकृति को वे अविलग देखते हैं। उनके शब्दों में 'बाहर जो सूर्य का प्रकाश है, वही भीतर बुद्धि का प्रकाश है; बाहर जो अंधकार है, वही भीतर का भय है; बाहर जो तृण विरुध और वृक्ष में ऊपर उठने की प्रक्रिया है, वही भीतर की उमंग है। इसीलिए मनुष्य और देवता में स्पर्धा नहीं है, सहकार भाव है।" मिश्र जी स्पष्ट रूप से कहते हैं 'जहाँ पश्चिमी चिंतन मनुष्य को केंद्र में रखता है मनुष्य अप्रतिहत बुद्धि को केंद्र में रखता है, प्रकृति पर मनुष्य की विजय को मनुष्य का पुरुषार्थ मानता है तथा पूरी सृष्टि को मनुष्य का उपभोग्य मानता है, वहाँ भारतीय हिन्दू चिंतन कोई एक केंद्र देखता ही नहीं, उसका विश्व बहु केंद्रीय है, मनुष्य के लिए देवता केंद्र है, देवता के लिए मनुष्य, वहाँ प्रकृति पर विजय नहीं प्रकृति से सामंजस्य और समग्र अस्तित्व में परम सामंजस्य स्थापित करना ही मानव जीवन का लक्ष्य है।' वे मानते हैं कि विकास वही है जो मनुष्य को अधिक मनुष्य बनावे। वे समस्त भूतों (प्राणियों) के ऋण की परिशुद्धि ही परम पुरुषार्थ मानते हैं। भारत में मनुष्य सृष्टि के केंद्र में न हो कर मनुष्य और सृष्टि के बीच बिंबानुबिंब भाव केंद्र में रहा। मिश्र जी वस्तुओं की परस्परपूरकता और परस्पर अवलंबिता पर बल देते हैं। आज जिस वैज्ञानिक मनोभाव की अंधभक्ति है वह शक्ति के केंद्रीकरण की और उन्मुख है। इससे अनियोजित और अविवेकपूर्ण औद्योगिक विकास शुरू हुआ। इसने ख़ास तरह की उपभोक्ता संस्कृति को जन्म दिया। मनुष्य तकनीकी पर अवलंबित होने लगा। यह सोच कि सृष्टि मात्र हमारी उपभोग्य है, पूरी दुनिया उपभोग्य है प्रकृति विजेय है, हम विजेता हैं, गलत धारणा है। प्रकृति विमुख विकास विकृति होगा। संस्कृति में उपभोग वृत्ति का बढ़ना परिवर्तन है पर विकृति है। दूसरी तरफ़ परम्परा के भीतर से उन्नयन वास्तविक विकास होगा। अब 'विकास' प्रायः प्रौद्योगिक उन्नति और आर्थिक वृद्धि के अर्थ में प्रयुक्त होता है। आज की स्थिति को लेकर वह आगाह कराते हुए कहते हैं कि 'धन-संप्रभुता के बल पर तकनीकी का ज्ञान ख़रीद फरोख्त का विषय हुआ। इस ज्ञान से संपन्न व्यक्ति भी बिकाऊ हुआ और वह मनुष्य की आवश्यकता के अनुसार तकनीकी रचना के बजाय धन-संप्रभु के द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्पाद का महत्वपूर्ण समझने में नियोजित हुआ, जिससे कि माँग बढ़ाई जाये, माँग से अधिक लालच बढ़ाई जाये, वस्तुओं के प्रति आसक्ति बढ़ाई जाये। यह एक ख़तरनाक मोड़ है। इसकी ओर आगाह करना विचारशील मनुष्य का कर्तव्य है।' मिश्र जी उसे मूल्य विमर्श और मनुष्य, प्रकृति, सृष्टि के प्रसंग में स्थापित करते हैं। वे संस्कृति के स्वस्थ विकास और विकृत आधुनिकता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं। ध्यातव्य है प्रकृति सिर्फ भौतिक जगत ही नहीं है। संस्कृति को खोकर पाया गया विकास मनुष्य को खो देता है। वे क़हते हैं कि आज का विश्व संवादहीनता की मार से संत्रस्त है। इसलिए अधिक से अधिक वस्तुओं के संग्रह करने की तथा उनकी प्रभुता का मद ढोने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है और मनुष्य अकेला होता जा रहा है। उसे अविश्वास, भय और तिरस्कार इतना ग्रस लेते है कि वह मनुष्यता ही खो देता है। मनुष्य का धर्म है जुड़ना, जोड़ना और जोड़ने के व्यापार का विस्तार करना। सृष्टि के साथ सामंजस्य और साझेदारी की भावना स्थापित करना ही मानुष धर्म है। मनुष्य सृष्टि का सिरमौर इसलिए नहीं है कि वह उनके ऊपर शासन के लिए पैदा हुआ है बल्कि इसलिए कि वह उनकी सार्थकता को भी अपने संपर्क से, अपनी करुणा से, अपनी भावना और अपनेपन से पूर्ण सार्थकता दे सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज से बाहर हुए वॉशिंगटन सुंदर, आयुष बडोनी को मिला मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर चोट के कारण शेष दो वनडे मैचों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के अनुसार, वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय सुंदर की बाईं निचली पसली के हिस्से में अचानक दर्द हुआ। चोट लगने के बाद सुंदर ने केवल पांच ओवर ही गेंदबाजी की और इसके बाद मैदान छोड़ना पड़ा। वह न्यूज़ीलैंड की पारी के दौरान दोबारा फील्डिंग के लिए नहीं उतर सके, जिसके चलते भारतीय पारी में केवल एक ही गेंदबाज अपना पूरा 10 ओवर का कोटा पूरा कर पाया। हालांकि, 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय हर्षित राणा के आउट होने के बाद सुंदर को मजबूरी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा। साफ तौर पर असहज दिख रहे सुंदर ने एक छोर संभाले रखा, जबकि केएल राहुल ने पारी को संभालते हुए अंतिम से पहले ओवर में भारत को जीत दिलाई। बीसीसीआई ने बताया कि सुंदर की चोट की आगे स्कैन जांच की जाएगी, जिसके बाद मेडिकल टीम विशेषज्ञों की राय लेगी। फिलहाल उन्हें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के शेष दोनों मुकाबलों से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में उनकी उपलब्धता भी संदेह में है। शुरुआती टी20 मैचों में उनका खेलना मुश्किल माना जा रहा है। यह चोट ऐसे समय पर आई है जब भारतीय टीम पहले से ही तिलक वर्मा के बिना पहले तीन टी20 मैच खेलने जा रही है। तिलक के बाहर होने और सुंदर की फिटनेस को लेकर अनिश्चितता ने आगामी मेंस टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। भारत 7 फरवरी से मुंबई में अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा। इस बीच, पुरुष चयन समिति ने वॉशिंगटन सुंदर के स्थान पर आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है। बडोनी दूसरे वनडे से पहले राजकोट में टीम से जुड़ेंगे। यह बडोनी का वनडे टीम में पहला मौका है।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत की अपडेटेड टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आयुष बडोनी।

राफिन्हा के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीता

एजेंसी, जेद्दा

जेद्दा के किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में रविवार रात खेले गए स्पेनिश सुपर कप 2026 के फाइनल में बार्सिलोना ने रोमांचक मुकाबले में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के हीरो रहे राफिन्हा, जिन्होंने दो शानदार गोल दागे। मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच संतुलित रही, लेकिन पहले हाफ के अंतिम 10 मिनटों में मुकाबला पूरी तरह रोमांच से भर गया। 36वें मिनट में राफिन्हा ने बॉक्स में घुसकर शानदार लो शॉट लगाते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के दूसरे मिनट में रियल मैड्रिड ने जोरदार वापसी की। विनीसियस जूनियर ने हाफवे लाइन के पास से गेंद लेकर तेज दौड़ लगाई, दो डिफेंडरों को छकाया और बेहतरीन फिनिश के साथ स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, बार्सिलोना ने दो मिनट के भीतर फिर बढ़त हासिल कर ली। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पेनल्टी एरिया में जगह मिली और उन्होंने खूबसूरत चिप शॉट के जरिए टीम को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन पहले हाफ का ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। रियल मैड्रिड के कॉर्नर पर राफिन्हा ने गोललाइन क्लियरेंस किया, मगर गोंजालो गार्सिया ने रिबाउंड पर शॉट मारा, जो क्रॉसबार से टकराकर गोललाइन के अंदर चला गया और स्कोर 2-2 हो गया। दूसरे हाफ में मुकाबला कड़ा रहा। 73वें मिनट में राफिन्हा ने एक बार फिर कमाल दिखाया। बॉक्स के बाहर से उनका शॉट डिफेंडर से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर थिबो कर्टुआ को छकाते हुए नेट में चला गया और बार्सिलोना 3-2 से आगे हो गया। अतिरिक्त समय में बार्सिलोना को झटका लगा जब फ्रेंकी डी जोंग को किलियन एम्बाप्पे पर फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। इसके बावजूद रियल मैड्रिड दबाव का फायदा नहीं उठा सका। अंतिम क्षणों में अल्वारो करेरास और राउल असेंशियो के करीबी प्रयासों को गोलकीपर जोआन गार्सिया ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। आखिरकार बार्सिलोना ने 3-2 की जीत के साथ अपना 16वां स्पेनिश सुपर कप खिताब जीत लिया और एक बार फिर चिर-प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड पर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

सोफी डब्ल्यूपीएल में एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

एजेंसी, नई दिल्ली

गुजरात जायंट्स की सलामी बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ के चौथे मुकाबले में एक ही ओवर में चार छक्के और दो चौके लगाकर 32 रन बनाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही सोफी डब्ल्यूपीएल में एक ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने इस ओवर में कुल 32 रन बनाये इससे ये लीग का सबसे महंगा ओवर बन गया है। इस मैच में गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बेथ मूनी और सोफी डिवाइन की आक्रामक बल्लेबाजी से अच्छी शुरुआत की।

सोफी ने केवल 25 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। ये लीग इतिहास का सबसे महंगा ओवर रहा है। वहीं इससे पहले दीप्ति शर्मा ने साल 2025 में यूपी वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ एक ही ओवर में 28 रन बनाये थे। वहीं एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी तनुजा कंवर हैं। तनुजा ने , साल 2023 में गुजरात जायंट्स की ओर से खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ एक ही ओवर में 27 रन बनाये थे। इस मैच का पावरप्ले डब्ल्यूपीएल इतिहास का दूसरा सबसे महंगा पावरप्ले था। इससे पहले साल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पावरप्ले में ही 87 रन बना दिये थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 ड्रॉ से पहले एटीपी रैंकिंग में अल्कराज-सिनर शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

मेलबर्न में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के ड्रॉ से पहले सोमवार को ताज़ा एटीपी रैंकिंग जारी कर दी गई है। स्पेन के कार्लोस अल्कराज और इटली के जैनिक सिनर ने क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यही रैंकिंग ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के ड्रॉ के लिए इस्तेमाल की जाएगी, जिसका आयोजन गुरुवार को होगा। अल्कराज और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन सिनर को ड्रॉ में अलग-अलग हाफ में रखा जाएगा, ठीक वैसे ही जैसे पिछले चार ग्रैंड स्लैम में देखने को मिला है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों खिलाड़ियों ने इस सीज़न में अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। हालांकि, शनिवार को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक एग्ज़ीबिशन मैच में दोनों आमने-सामने आए थे।

बब्लिक की टॉप-10 में एंट्री- अन्य प्रमुख बदलावों की बात करें तो कज़ाख़स्तान के अलेक्जेंडर बब्लिक ने हांगकांग ओपन का खिताब जीतकर पहली बार एटीपी टॉप-10 में जगह बना ली है। फाइनल में उन्होंने इटली के लोरेन्जो मुसेत्ती को सीधे सेटों में हराया। 28 वर्षीय बुब्लिक ने अपने करियर का नौवां खिताब जीता और एक स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए। फाइनल में हार के बावजूद मुसेत्ती को फायदा हुआ और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ 5वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से यह स्थान छीना।

एटीपी टॉप-10 रैंकिंग (अंक सहित)

1. कार्लोस अल्कराज (स्पेन) – 12,050
2. जैनिक सिनर (इटली) – 11,500
3. अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी) – 5,105
4. नोवाक जोकोविच (सर्बिया) – 4,780
5. लोरेन्जो मुसेत्ती (इटली) – 4,105
6. एलेक्स डी मिनॉर (ऑस्ट्रेलिया) – 4,080
7. फेलिक्स ऑगर-अलियासिम (कनाडा) – 3,990
8. बेन शेल्टन (अमेरिका) – 3,960
9. टेलर फ्रिट्ज़ (अमेरिका) – 3,840
10. अलेक्जेंडर बब्लिक (कज़ाख़स्तान) – 3,065

अन्य अहम बदलाव- ब्रिस्बेन में अपना 22वां करियर खिताब जीतने वाले डेनिल मेदवेदेव एक स्थान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, उपविजेता ब्रैंडन नकाशिमा चार स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 29वीं रैंकिंग पर लौट आए।

लंबी चोट के बाद वापसी करते हुए यूनाइटेड कप में अपनी टीम को खिताब दिलाने वाले पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काच ने 30 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 53वां स्थान हासिल किया। बेल्जियम के राफेल कोलिग्नन 12 स्थान ऊपर चढ़कर 72वें नंबर पर पहुंचे, जो उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

टॉप-100 में फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेश (26), अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवाचेविच (54), पोलैंड के कामिल माजचर्ज़ाक (58), बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉक्स (95) और पेरू के इग्नासियो बुसे (99) ने भी करियर-हाई रैंकिंग हासिल की।

भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदा एटीपी रैंकिंग

डबल्स

- युकी भांबरी – 21
- एन. श्रीराम बालाजी – 82 (-1)
- अनिरुद्ध चंद्रशेखर – 92 (-4)
- रित्विक चौधरी बोल्लीपल्ली – 94 (-3)
- एन. विजय सुंदर प्रशांत – 109 (-2)
- निकी पूनाचा – 145 (+7)
- सिद्धांत बंथिया – 155 (-5)
- रामकुमार रामनाथन – 160 (-3)
- अर्जुन कढ़े – 183 (-2)
- जीवन नेदुंचेझियन – 187 (-9)

सिंगल्स

- सुमित नागल – 279 (-4)
- आर्यन शाह – 394 (+4)
- धक्षिणेश्वर सुरेश – 468 (+53)
- करण सिंह – 470 (-4)
- मानव धामने – 499 (+57)

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी लाइफ, ट्रेंट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.69 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, मैक्स हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल, अदानी पोर्ट्स, एटरनल और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 2.02 प्रतिशत से लेकर 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,696 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 595 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,101 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 140.93 अंक की कमजोरी के साथ 83,435.31 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 180 अंक से ज्यादा उछल कर हरे निशान में 83,617.53 अंक तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी ही देर में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा लुढ़क कर 83,043.45 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 476.37 अंक फिसल कर 83,099.87 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 14.25 अंक टूट कर 25,669.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 25,700.95 अंक तक आ गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही निफ्टी 150 अंक से अधिक की कमजोरी के साथ 25,529.05 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार हुआ। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 126.70 अंक की गिरावट के साथ 25,556.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 604.72 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83,576.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 193.55 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,683.30 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में आज आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,40,450 रुपये से लेकर 1,40,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,28,740 रुपये से लेकर 1,28,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,40,600 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,40,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,40,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,40,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,40,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,28,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,40,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,40,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,28,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एपीडा ने छत्तीसगढ़ से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय खोला

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात के एक बड़े हब के तौर पर स्थापित करने के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने रायपुर में अपना क्षेत्रीय कार्यालय खोला है। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई एपीडा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि निर्यात की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य से प्रीमियम गैर-बासमती चावल की किस्मों के अलावा जीराफूल चावल और नागरी दुबराज चावल जैसे भौगोलिक संकेतक (जीआई) निशान वाले उत्पादों के निर्यात की अच्छी संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य में अमरूद, केला, ड्रैगन फ्रूट, कटहल, शरीफा, टमाटर और खीरे सहित कई प्रकार के फल और सब्जियों का उत्पादन होता है। इसके साथ ही महुआ, इमली, जड़ी-बूटी और औषधीय पौधों जैसे लघु वन-उत्पादों का भी प्रचुर उत्पादन होता है, जिससे वैश्विक बाजारों में राज्य की मौजूदगी बढ़ाने के मजबूत अवसर बनते हैं। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अनुसार यह क्षेत्रीय कार्यालय किसानों, उत्पादक समूहों, सहकारी संस्थाओं और निर्यातकों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान करेगा। इनमें निर्यात पंजीकरण, परामर्श सहायता, बाजार से जुड़ी जानकारी (मार्केट इंटेलिजेंस), प्रमाणन में सहयोग, निर्यात सुविधा, बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता और बाजार से जोड़ने जैसी सेवाएं शामिल हैं।

भारत से 2025 में आईफोन निर्यात 2 लाख करोड़ के पार

निर्यात का आंकड़ा 2024 की तुलना में करीब 85 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली। भारत में 2021 में उत्पादन शुरू करने के बाद 2025 में पहली बार ऐपल के आईफोन का निर्यात 2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनियों द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच भारत से आईफोन का कुल निर्यात 23 अरब डॉलर यानी लगभग 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा 2024 की तुलना में करीब 85 प्रतिशत अधिक है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू होने के बाद से ऐपल का मुख्य फोकस भारत को एक बड़े निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने पर रहा है। इसका असर यह हुआ कि हर साल आईफोन निर्यात में लगातार तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2021 में जहां भारत से आईफोन का निर्यात 8,800 करोड़ रुपये था, वहीं 2022 में यह बढ़कर 36,234 करोड़ रुपये हो गया। 2023 में निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़कर 74,000 करोड़ रुपये पहुंचा, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 1.1 लाख करोड़ रुपये रहा। 2020 में पीएलआई योजना की घोषणा के बाद ऐपल ने अपने दो प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं विस्ट्रॉन और फॉक्सकॉन के साथ भारत में कदम रखा। हालांकि कोरोना महामारी और चीन के साथ सीमा पर तनाव के चलते उत्पादन शुरू होने में देरी हुई और 2021 में भारत में आईफोन निर्माण की शुरुआत हो सकी। प्रारंभिक दौर में उत्पादन मुख्य रूप से निर्यात बाजार को ध्यान में रखकर किया गया। चीन से आपूर्ति श्रृंखला के धीरे-धीरे स्थानांतरण के बीच ऐपल ने 2023 से भारतीय कंपनियों को अपने पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल करना शुरू किया। सरकार ने तकनीक हस्तांतरण और एमएसएमई को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया। टाटा समूह इस क्षेत्र में शामिल होने वाला पहला बड़ा भारतीय समूह बना, जिसने 2023 में कर्नाटक स्थित विस्ट्रॉन का आईफोन प्लांट खरीदा और बाद में तमिलनाडु में पेगाट्रॉन की फैक्टरी में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की।

महिंद्रा ने किया सात सीट एसयूवी सेगमेंट में नया दावा

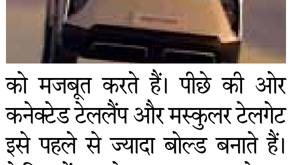

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवी एक्सयूवी 700 की विरासत को आगे बढ़ाते हुए महिंद्रा ने एक्सयूवी 7गुणाO को बाजार में उतार दिया है। महिंद्रा ने एक्सयूवी700 के मजबूत आधार को बनाए रखते हुए इसमें आधुनिक फीचर्स और ज्यादा प्रीमियम फील जोड़ा है। यह मॉडल किसी मामूली फेसलिफ्ट की बजाय एक सोच-समझकर किया गया अपग्रेड नजर आता है, जिसमें डिजाइन, टेक्नोलॉजी और ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाने की कोशिश की गई है। डिजाइन की बात करें तो एक्सयूवी 7गुणा का सिलुएट परिचित है, लेकिन इसके फ्रंट में नई ग्रिल और अपडेटेड डे-टाइम रनिंग लाइट्स इसे ज्यादा परिपक्व लुक देती हैं। साइड प्रोफाइल में नए 19-इंच ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स और फ्लश डोर हैंडल्स इसकी प्रीमियम पहचान को मजबूत करते हैं। पीछे की ओर कनेक्टेड टेललैंप और मस्कुलर टेलगेट इसे पहले से ज्यादा बोल्ड बनाते हैं। केबिन में सबसे बड़ा बदलाव कोस्ट-टू-कोस्ट ट्रिपल स्क्रीन सेटअप के रूप में सामने आता है। इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इंफोटेनमेंट स्क्रीन और फ्रंट पैसेंजर के लिए अलग डिस्प्ले शामिल है। इंजन विकल्प पहले जैसे ही हैं, लेकिन सस्पेंशन ट्यूनिंग में सुधार से राइड क्वालिटी और स्थिरता बेहतर हुई है। सेफ्टी के मोर्चे पर एक्सयूवी 7गुणा में आधुनिक ड्राइवर असिस्ट सिस्टम्स, मल्टीपल एयरबैग्स और मजबूत बॉडी स्ट्रक्चर दिया गया है।

नायरा बनर्जी ने बताया, कैसे एक वीडियो कॉल ने बदल दी उनकी फिल्मी दुनिया

अभिनेत्री नायरा बनर्जी अपनी आने वाली फिल्म वन टू चा चा चा को लेकर काफी चर्चाओं में है। यह फिल्म कॉमेडी, अफरातफरी और किरदारों से भरपूर मनोरंजन का जबरदस्त पैकेज है। इस फिल्म में अभिनेता आशुतोष राणा लीड रोल में हैं। नायरा बनर्जी ने अपनी फिल्म, अनुभव और अभिनय सफर के बारे में खुलकर बात की। नायरा बनर्जी ने कहा, फिल्म की कहानी सुनते ही मैंने तुरंत इसका हिस्सा बनने की ठान ली थी। निर्देशक और लेखक अभिषेक ने मुझे वीडियो कॉल के जरिए पूरी कहानी सुनाई। उस समय मैं दुबई में थी, उन्होंने करीब दो घंटे तक कहानी इतनी ऊर्जा, भाव और उत्साह के साथ सुनाई कि मेरे होश उड़ गए। मुझे कहानी की हर बारीकी और भावना को समझाया। उसी वक्त मैंने तय कर लिया कि मुझे यह फिल्म करनी है। फिल्म के कास्ट के बारे में नायरा बनर्जी ने कहा, जब मैंने जानना चाहा कि कौन-कौन इसमें काम कर रहा है, तो मेरे लिए सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम आशुतोष राणा था, जो चाचा के रोल में थे। मैंने उन्हें हमेशा गंभीर और सशक्त किरदारों में देखा है; ऐसे में इस नई भूमिका में उन्हें देखना बिल्कुल नया और ताजगी भरा अनुभव लगा। उन्होंने कहा, मुकेश तिवारी, अभिमन्यु सिंह, आनंद जोशी, ललित प्रभाकर और हर्ष मायर जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना चुनौतीपूर्ण लेकिन सीखने वाला रहा। मेरे ज्यादातर सीन अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा के साथ थे, जिनके सामने अपनी एक्टिंग बनाए रखना आसान नहीं था। नायरा बनर्जी ने अपने किरदार की खासियत के बारे में बताते हुए कहा, शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे डांस करने का मौका मिला। मेरा डांस शेड्यूल कई दिनों तक चला। फिल्म का यह गाना इश्क ढिशूम अब ट्रेंड कर रहा है और लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसका ऐसा जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलेगा। नायरा बनर्जी ने आशुतोष राणा के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती बिहारी एक्सेंट था। मैंने पहले ऐसा रोल कभी नहीं किया था। लेकिन आशुतोष के साथ रोमांटिक सीन करते समय उस एक्सेंट में काम करना मेरे लिए बेहद मजेदार और प्यारा अनुभव साबित हुआ। सेट पर हर वक्त मजेदार माहौल रहता था। कोई ना कोई हमेशा मजाक करता रहता था और सभी एक-दूसरे की एक्टिंग देखकर हंसते रहते थे। कभी-कभी मुझे मुंह पर हाथ रखना पड़ता था ताकि शूटिंग के दौरान हंसी ना फूटे।

द राजा साब की एंट्री से फुस्स हुई 'धुरंधर, 36वें दिन हुआ सबसे कम कलेक्शन

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर अपना ऐतिहासिक प्रदर्शन जारी रखते हुए पांचवें सप्ताह में भी रिकॉर्ड तोड़ कमाई की. इस स्पाई थ्रिलर ने 5वें हफ्ते में 51 करोड़ से ज्यादा का शानदार नेट कलेक्शन किया और छावा को आसानी से पीछे छोड़ दिया, जिसने इसी ड्यूरेशन में लगभग 30 करोड़ नेट कलेक्शन के साथ रिकॉर्ड बनाया था. वहीं अब धुरंधर रिलीज के छठे हफ्ते में एंट्री कर गई है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म रिलीज के छठे फ्राइडे यानी 36वें दिन कितना कलेक्शन किया है? रणवीर सिंह की धुरंधर को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है लेकिन मजाल है कि ये फिल्म थकने नाम ले रही हो. लेकिन प्रभास की नई रिलीज द राजा साब के आगे इस फिल्म की कमाई की रफ्तार को झटका लगा है और इसने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है. हालांकि स्ट्रॉन्ग माउथ पब्लिसिटी, रिपीट ऑडियंस और मल्टीप्लेक्स और मास बेल्ट दोनों जगह लगातार आने वाले दर्शकों की संख्या के कारण यह फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. वहीं अब ये रिलीज के 6ठे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इसने छठे फ्राइडे य़ानी 36वें दिन 3.50 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद भारत में इसकी नेट कमाई 793.75 करोड़ रुपये हो गई है. द राजा साब के रिलीज होते ही 'धुरंधर की कमाई को झटका लगा है और इसने फ्राइडे को अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है. बता दें कि द राजा साब की ओपनिंग डे की कुल कमाई 63. 3 करोड़ रुपये रही है. वहीं हिंदी में इसने 6. 15 करोड़ कमाए हैं. ऐसे में हिंदी में इसने फ्राइडे को 'धुरंधर के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया. 'धुरंधर ने अपने छठे शुक्रवार को 3.50 करोड़ कमाए हैं. धुरंधर छठे शनिवार तक 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी, ये उपलब्धि अब तक सिर्फ अल्लू अर्जुन स्टारर 'पुष्पा 2: द रूल ने हासिल की है. बॉलीवुड की यह मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 के 812 करोड़ रुपये के भारतीय नेट कलेक्शन को पीछे छोड़ने के लिए तैयार है और मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए, अगले कुछ दिनों में ही यह रिकॉर्ड तोड़कर भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बन जाएगी. पुष्पा 2 का आंकड़ा पार करने के बाद, धुरंधर न सिर्फ हिंदी सिनेमा के रिकॉर्ड तोड़ेगी बल्कि भारतीय सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सिंगल भाषा की फिल्म भी बन जाएगी. ये फिल्म अब इतिहास रचने के करीब पहुंच रही है. वहीं अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस साल 2026 की पहली बॉलीवुड रिलीज फिल्म है। हालांकि, क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। 9वें दिन शुक्रवार को फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई और 'इक्कीस सिर्फ 85 लाख रुपए का कलेक्शन ही कर पाई। इस तरह से 9 दिनों में 'इक्कीस का कुल कलेक्शन 26.35 करोड़ रुपए तक ही पहुंच पाया है।

एवेंजर्स डूम्सडे तोड़ेगी मार्वल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड, दिखाएगी ये कारनामा

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली फ्रैंचाइजी एवेंजर्स डूम्सडे का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। लगातार आने वाले फिल्म और कलाकारों से जुड़े अपडेट लोगों के उत्साह को चरम पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। अब नया अपडेट जानने के बाद मार्वल प्रशंसकों की खुशी ठिकाना नहीं होगा, क्योंकि ऐसा यूनिवर्स में पहली बार होने जा रहा है। दरअसल, एवेंजर्स डूम्सडे की रिलीज से पहले इसकी अवधि को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्वल अपनी सबसे लंबी फिल्म को सिनेमाघरों में पेश करने की तैयारी में है। मतलब यह कि एवेंजर्स डूम्सडे की अवधि करीब 3 घंटे 45 मिनट होने की उम्मीद है। इसमें एंड क्रेडिट्स और पोस्ट-क्रेडिट दृश्य भी शामिल हैं। अगर निर्माताओं द्वारा आधिकारिक पुष्टि हुई तो यह पिछली फ्रैंचाइजी के मुकाबले सबसे लंबी फिल्म होगी। एवेंजर्स डूम्सडे 18 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इसमें क्रिस इवांस, एंथनी मैकी और टॉम हिडलस्टन जैसे सितारे हैं।

अवनीत कौर ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें! ट्रांसपेरेंट ड्रेस में दिखाया कर्वी फिगर

चंद्र नंदिनी और अलादीन-नाम तो सुना होगा जैसे टीवी सीरियल्स से अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर अक्सर अपनी हॉट तस्वीरों और बोल्ड अदाओं से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती हैं, लेकिन इस बार तो एक्ट्रेस ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस में किलर अदाओं से बोल्डनेस की सारी हदें ही पार कर दी. अवनीत के सिजलिंग पोज और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस की तो सांसे ही थम रही हैं. अवनीत कौर उन गिनी-चुनी एक्ट्रेसेस में शामिल हैं, जो अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज से खूब सुर्खियां बटोरती हैं. स्टाइल और फैशन के मामले में उनकी चॉइस इतनी टॉप नॉच होती है कि, वह बड़ी-बड़ी मॉडल्स को भी टक्कर देती नजर आती हैं. उनके फैंस उनके हर नए लुक का बेसब्री से इंतजार करते हैं. वहीं अब अवनीत ने इंस्टाग्राम पर अपी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर अच्छे-अच्छों के होश उड़ जाएंगे. दरअसल, इसमें एक्ट्रेस ट्रांसपेरेंट गाउन में सिजलिंग और हॉट लुक से जबरदस्त लाइमलाइट बटोर रही हैं. वैसे तो अवनीत कौर का हर आउटफिट एक नया स्टाइल स्टेटमेंट बन जाता है और फैशन ट्रेंड सेट करता है, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी लाजवाब खूबसूरती और स्टाइल से फैंस को अपना मुरीद बना लिया है. लेटेस्ट फोटो में अवनीत ने सिल्वर कलर का एक बेहद खूबसूरत और ट्रांसपेरेंट ड्रेस कैरी किया है, जिसमें हैवी एंब्रॉयडरी की गई है, जो इस लुक को एक रॉयल और ग्रैंड फील दे रहा है. अवनीत के इस लुक को देखकर हर कोई उन पर लट्टू हुए जा रहा है. अवनीत ने सिर्फ आउटफिट पर ही ध्यान नहीं दिया, बल्कि उनका हेयर, मेकअप और ज्वेलरी बिल्कुल टॉप नॉच लग रहा है. उन्होंने शिमरी आई मेकअप और ग्लॉसी लिप्स के साथ हैवी मेकअप से अपना लुक कंप्लीट किया है. स्टेटमेंट इयरिंग्स और खुले बालों में वह बला की हसीन और आकर्षक लग रही हैं. इस स्टाइलिश और रॉयल आउटफिट में अवनीत ने एक-दो नहीं, बल्कि अलग-अलग किलर पोड देते हुए कई तस्वीरें शेयर की हैं. इस पिक्चर्स में अवनीत बला की खूबसूरत लग रही हैं. वहीं पोज के साथ एक्ट्रेस ने खुलकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है. अवनीत कौर की लेटेस्ट तस्वीरों पर फैंस भी जमकर प्यार लुटा रहे हैं, हार्ट और फायर इमोजी के साथ-साथ कमेंट्स में तारीफों के पुल बांध रहे हैं. इसी कड़ी में एक यूजर ने तो एक्ट्रेस को नया नाम तक दे डाला. यूजर ने अवनीत के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, किलरकौर हॉटनेस ओवरलोडेड.

विजय सेतुपति ने प्रिया भवानी शंकर की फिल्म 'हॉटस्पॉट 2 का ट्रेलर किया रिलीज

अभिनेता विजय सेतुपति ने मंगलवार को निर्देशक विग्नेश कार्तिक की आगामी मनोरंजक फिल्म 'हॉटस्पॉट 2 का ट्रेलर रिलीज किया, जिसे देखकर प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विजय सेतुपति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि 'हॉटस्पॉट 2 का ट्रेलर आज के दौर से जुड़ी कई सामाजिक और सांस्कृतिक बातों पर व्यंग्य करता है। हाल ही में जारी ट्रेलर से साफ होता है कि 'हॉटस्पॉट फ्रेंचाइज़ी की यह दूसरी किस्त भी पहली फिल्म की ही तर्ज पर हास्य और व्यंग्य से भरपूर होगी। ट्रेलर की शुरुआत एक मां और उसकी किशोर बेटी की बातचीत से होती है, जिसमें मां बेटी से उसके बॉयफ्रेंड की जाति के बारे में पूछती है। इस पर बेटी जवाब देती है, वे हमारे ही लोग हैं, क्या आप उन्हें देखकर नहीं पहचान सकतीं? मां जब हैरानी जताती है तो बेटी मजाकिया अंदाज में कहती है, उनकी पूंछ नहीं है, मतलब वे हमारी ही प्रजाति के हैं। ट्रेलर में अभिनेता अश्विन कुमार का एक दृश्य भी दिखाया गया है, जिसमें वह अपने नशे में धुत दोस्त पर नाराज होते हैं कि वह उनकी 'जरूरी बात के दौरान सो रहा है। जवाब में दोस्त कहता है, सॉरी मचान, जो कहानी मुझे पसंद नहीं आती, उसमें नींद आ ही जाती है। यह सीन कुछ साल पहले अश्विन कुमार से जुड़े एक विवाद की ओर भी इशारा करता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि रक्षन और आदित्य बास्कर फिल्मी सितारों के कट्टर प्रशंसकों की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, प्रिया भवानी शंकर की भूमिका को लेकर फिलहाल सस्पेंस बना हुआ है, हालांकि एक दृश्य में वह उम्रदराज हीरो के साथ युवा अभिनेत्री को कास्ट किए जाने के चलन पर टिप्पणी करती दिखती हैं। इसके अलावा, फिल्म में सशक्त महिला किरदार भी नजर आते हैं, जो डिंक (डबल इनकम, नो किड्स) फैमिली और कफिंग रिलेशनशिप जैसे आधुनिक विचारों पर खुलकर बात करती हैं। विग्नेश कार्तिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रिया भवानी शंकर, थम्बी रामैय्या, रक्षन, अश्विन कुमार और आदित्य बास्कर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा एम. एस. भास्कर, भवानी श्री, ब्रिगिडा सागा और संजना तिवारी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की नई रिलीज डेट आई सामने, एक बार फिर बुराई खत्म करने निकली शिवानी शिवाजी रॉय

मर्दानी 3 इस साल की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में से एक हैं. फैंस इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे मगर अब ये इंतजार ज्यादा दिन का नहीं होने वाला है. रानी मुखर्जी एक बार फिर सुपरकॉप शिवानी शिवाजी रॉय बनकर वापसी कर रही हैं. रानी मुखर्जी को बड़े पर्दे पर देखना शानदार होगा. मेकर्स ने मर्दानी 3 की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है. इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज किया है. पोस्टर में रानी मुखर्जी भारत में लापता हुईं लड़कियों को ढूंढती नजर आ रही हैं. उनका इस बार अंदाज बिल्कुल पहले की तरह ही है. बस इस बार एक्शन और ज्यादा नजर आएगा. यशराज फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करके जानकारी दी है कि फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- वो तब तक नहीं रुकेगी, जब तक वह उन सभी को बचा नहीं लेती! रानी मुखर्जी निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में मर्दानी 3 में वापस आ रही हैं. बचाव अभियान 30 जनवरी को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में शुरू होगा. बता दें मर्दानी 3 पहले सिनेमाघरों में 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी. मगर अब इस फिल्म को जल्दी रिलीज किया जा रहा है. फिल्म की रिलीज डेट पहले आने से फैंस बहुत एक्साइटेड हैं और पोस्टर देखकर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. यशराज ने जो पोस्टर शेयर किया है उस पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा-रानी इज बैक. वहीं दूसरे ने लिखा- फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. एक ने लिखा- फाइनली. मर्दानी 3 को अभिराज मीनावाला ने डायरेक्ट किया है और इसे प्रोड्यूस आदित्य चोपड़ा ने किया है. फिल्म को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है.

Turkman Gate violence: Influencers' 'provocative' posts under Delhi police scanner; 2 more stone pelters held

New Delhi,Agency: Two more people were arrested on Friday in connection with the stone-pelting incident near the Faiz-e-Elahi Mosque in central Delhi, taking the total number of arrests to 18. The latest arrests are Fahim alias Sanu (30) and Mohammad Sehzad (29), residents of Turkman Gate and Chandni Mahal, respectively. Police said both were involved in the stone-pelting.

Earlier, police had arrested three others — Mohammad Naved (44), Mohammad Faiz (20) and Mohammad Ubaidullah (23), all residents of Turkman Gate. Officials said more than 20 suspects are still being traced.

Police have also issued summonses to around 10 social media influencers, including several women, for allegedly sharing reels and posts suggesting that a religious structure was being targeted.Following the incident, Delhi Police imposed Section 163 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) in the area around the Faiz-e-Elahi Mosque, restricting public gatherings and appealing to people to offer prayers at home as a precaution.Police said they have identified 30 individuals involved in the violence using CCTV footage and videos circulating on social media, and raids are underway at multiple locations to arrest the remaining suspects.The violence erupted during a Municipal Corporation of Delhi (MCD) demolition drive on January 7 to remove illegal encroachments near the Faiz-e-Elahi Masjid at Turkman Gate, close to Ramlila Maidan.

CM engages youth on pressing challenges

New Delhi,Agency: From the towering garbage mountains to street dogs, civic sense and mental health, chief minister Rekha Gupta on Sunday fielded a wide range of questions from some young residents of Delhi at an interactive event, called Lunch with Rekha Gupta, organised on the eve of National Youth Day. Among the about 30 participants were students, social activists and digital content creators. They discussed the city's most pressing challenges with the chief minister. One of the questions came from Prafful Garg, who flagged Delhi's garbage mountains at Ghazipur, Bhalswa and Okhla as the capital's biggest environmental failure. Responding to him, Gupta said previous govts limited bio-mining capacity to barely 10,000-11,000 metric tonnes per day.

Attempted theft damages signalling cables on Airport Express Line services

New Delhi,Agency: Around 800 metres of signalling cables between Dhaula Kuan and Shivaji Stadium stations were damaged during an attempted theft on the Airport Express Line between Yashobhoomi Dwarka Sector-25 and New Delhi on Sunday, leading to the regulation of train services.

The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) said the cables were cut in an attempted theft and the severed pieces were found near metro pillar no. 09 during an inspection.

"DMRC deeply regrets the inconvenience caused to passengers due to such incidents

of cable theft and is in touch with the law and order machinery to address these recurring issues," said Anuj Dayal, DMRC principal executive director (corporate communications).

A senior police officer said legal action will be initiated once a written complaint is received from DMRC.

The damage disrupted the signalling system, forcing trains to run at a restricted speed of 25 kmph on the affected up line towards New Delhi between Dhaula Kuan and Shivaji Stadium stations.

Normal services continued on the rest of the Airport Express Line, DMRC said.

Trains on the Airport Express Line operate at 10-minute intervals.

DMRC said replacing the signalling cables during revenue hours would adversely affect passenger services.

Therefore, restoration work will be carried out at night after the end of revenue operations, with preparatory work underway during the day.

To keep commuters informed, regular announcements were made at stations and inside trains, and passengers were advised to plan their journeys accordingly.

Motorcyclist dies in accident

New Delhi,Agency: A 25-year-old man died after his motorcycle was hit by a vehicle in southeast Delhi's Sarita Vihar on Sunday.

Police suspect the vehicle involved may have been a truck. The incident occurred in the early hours, leaving the rider critically injured before he succumbed at the spot.

Police are working to identify the deceased and have begun scanning CCTV footage from the area to determine the exact sequence of events.

Sarita Vihar has seen other incidents in recent months.

A 40-year-old man was killed when a dumper truck he was driving collided with a stationary vehicle in the same area in Oct 2025.

In Aug 2025, a 36-year-old man died when the SUV he was in rammed into a truck.

Delhi Bundles Up As Temp Dips To As Low As 2.9C

New Delhi: The city continued to shiver on Sunday as isolated areas recorded coldwave conditions — the first of the season for Delhi — with the mercury dipping to 2.9°C. While Safdarjung, the city's base station, recorded a minimum of 4.8°C, three degrees below normal, colder readings in other parts led IMD to declare isolated coldwave conditions.

Ayanagar recorded a low of 2.9°C, Palam 3°C and the Ridge station 3.7°C. IMD said this was the lowest minimum temperature for Palam in Jan in 13 years. The last lower Jan minimum was recorded on Jan 7, 2013, when it dipped to 2.6°C. Safdarjung had recorded a season's low of 4.2°C on Saturday.

IMD said coldwave conditions were expected to persist till Wednesday. An orange alert has been issued till Tuesday, while a yellow alert will be in place for Wednesday.

As per IMD norms, a coldwave is declared when the minimum temperature is below 10°C and the departure from normal is 4.5°C or more. A coldwave can also be declared if the actual minimum temperature is 4°C or lower.

The minimum temperature is expected to range between 2°C and 4°C on Monday, and between 3°C and 5°C on Tuesday and Wednesday. The maximum temperature stood at 18.8°C on Sunday, a degree below normal, compared with 20.2°C on Saturday. While sunshine is expected during the day, icy winds will keep the maximum between 18°C and 20°C on Monday and 19°C to 21°C on Tuesday. Shallow to moderate fog was recorded in the early hours.

Contract killing? Shooters waited 3 hours before murdering Shalimar Bagh woman; kin cite past threats

New Delhi,Agency: A day after a 44-year-old woman was gunned down on a road in northwest Delhi's Shalimar Bagh, police on Sunday said the shooters had been prowling the area for nearly three hours, presumably waiting for her.

The motorcycle used in the crime was later found in Rohini, sources said. Its number plate was from a stolen vehicle, and its chassis number had been tampered with.

CCTV footage showed two suspects on a bike near Rachna Yadav's house before she was shot around 11am, the sources said. A masked man was also seen in the vicinity.

The two suspects later fled towards Rohini, police said, adding that an empty cartridge was found from the spot. Cops suspect it to be a case of contract killing and have formed around a dozen teams to identify and nab the accused. Raids

are being conducted in outer Delhi and Haryana.

Rachna, one of the witnesses in the murder of her husband, Bijender Yadav, nearly three years ago, was returning from the last rites of a neighbour and had stopped at a shack near her house to wash her hands and feet when she was attacked, family members said.

The shooters were lying in wait and hit her at point-blank range, killing her on the spot.In May 2023, Bijender, too, was gunned down from close range when he was sitting outside a bakery with some friends in Bhalswa village. Around six rounds were fired then.

A property dealer, Bijender had at least nine criminal cases against him, including that of a murder and under the Arms Act.

He was believed to have been killed by his rivals.

The family claimed that a few months after his death, unidentified men opened fire in Bhalswa village to intimidate its memb ers.

"About one-and-a-half years ago, my mother had been followed and threatened on the way to court, after which she began attending hearings regarding my father's murder on video," said Kanika, 32, Rachna's elder daughter. The main accused in the earlier case, Bharat Yadav, who is absconding, is believed to be behind her killing too.

Cat above rest! Feline friends give capital a pawsome time

New Delhi,Agency: The air seemed to purr with excitement, leaving people with a warm, fuzzy feeling on a chilly Sunday morning as they thronged Tayal Resorts in east Delhi's Karkardooma for Feline Club of India's Championship Cat Show.

The event saw 130 felines, including Maine Coon, Siamese, Persians and Bengal shorthairs, competing across various categories. Each cat had its own enclosure — complete with a soft blanket, a mini litter box and food — while their proud owners sat beside them, ready to answer questions from curious visitors.

The cats were evaluated on a set of criteria that included appearance and temperament. While the primary focus was on breed standards, such as coat texture, colour, body structure and proportions, judges also observed grooming and overall presentation. In certain categories, agility and posture were also assessed. Cats were placed on display platforms, allowing judges to examine their stance, flexibility and elegance.

"An important factor is the friendliness of a cat and its ability to perform during the show. A shy or stressed cat may result in deduction of

points," said Michael Woods, one of the judges.

Originally from Australia, Woods has been judging cat shows for decades. India has seen remarkable improvement in this sphere since his first visit eight years ago, her said. The event also featured various stalls offering a diverse range of cat food, fancy toys, grooming workshops and interactive sessions with veterinarians. According to the feline club, such events also serve as platforms to promote responsible pet care. "We want people to become cat parents instead of cat owners, because that is where the difference lies," said Rahul, coordinator of events at the club. He added that the show was not exclusively meant for competitors but also for first-time cat parents or those simply interested in having a pet. "It's a platform where one can connect with like-minded people and learn how to be a better pet parent. We want to create a space where people can understand cats and felines more deeply," he said. Reflecting this goal, the show hosted a stall by World Wildlife Fund (WWF) India, which focused on raising awareness about both small and big cats of India, bridging the gap between pet care and wildlife conservation.

"I have never seen so much love for cats at one place before... it feels heartwarming," said Kirti, who attended the event with two cats she rescued over the past year. Such events foster a sense of community and provide cats with opportunities to be seen not merely as possessions, but as members of larger families, she added.

Woman robbed at gunpoint

New Delhi,Agency: A woman was allegedly held at knife-point and robbed by 3 men at her residence in Bhajanpura on Wednesday, police said. Three people were apprehended. The woman told police that she was at home with her 2 children around 1:15 PM when her son noticed 2 men standing outside the apartment. The men claimed they were there to check the Wi-Fi. According to the complainant, after gaining entry, a third person reportedly entered her bedroom while the two others confined her children in the bathroom.